শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 32 | गुवाहाटी | गुरुवार, 29 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ओबीसी का फर्जी सर्टिफिकेट लेने पर यूएसटीएम मालिक के खिलाफ दर्ज होगा केस पेज 2
सांप्रदायिक संघर्ष और तुष्टिकरण कांग्रेस की विचारधारा : भाजपा पेज 3
सैलजा को भावी मुख्यमंत्री घोषित कर दलित हितैषी होने का प्रमाण दें ... पेज 5
हॉकी इंडिया ने किया 18 सदस्यीय पुरुष टीम का एलान, इन्हें मिला गोलकीपिंग का जिम्मा पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शिकारपरस्त राजा धर्म और अर्थ दोनों को नष्ट कर लेता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

संदीप घोष की आईएमए ने रद की सदस्यता

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की सदस्यता निलंबित कर दी है। समाचार एजेंसी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार आईएमए मुख्यालय के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन द्वारा गठित अनुशासनात्मक समिति ने सर्वसम्मति से आईएमए कलकत्ता शाखा के उपाध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

कैबिनेट का फैसला देश में बनेंगे 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसमें राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 12 नई परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसके तहत देश में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाए जाएंगे। इस योजना पर 28,602 करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना हमारा अगला कदम : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि असम सरकार की प्राथमिकता विवाह पंजीकरण विधेयक पर ध्यान केंद्रित करना है और इसका अगला कदम बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने अभी तक पूरे यूसीसी पर फैसला नहीं किया है, हम मुस्लिम पंजीकरण बिल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसे हमने अनिवार्य बना दिया है, हमने कहा है कि विवाह और तलाक का पंजीकरण *काजी* के बजाय उप-रजिस्ट्रार द्वारा किया जाएगा। हमारा अगला कदम बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना है जो किसी भी समय आ सकता है, हम उत्तराखंड यूसीसी पर किसी भी न्यायिक टिप्पणी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, हम बारीकी से देख रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हम व्यापक समान नागरिक संहिता लाने पर विचार नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमारी कार्यशैली अलग है। हम बाल जहां यूसीसी लागू किया गया है। शर्मा ने कहा कि हम एक व्यापक समान नागरिक संहिता लाने पर विचार नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमारी कार्यशैली अलग है। हम बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे हैं। हम महिलाओं के शोषण के खिलाफ काम कर रहे हैं। हमारा रुख पूरी तरह से अलग है। बता दें, असम में मुस्लिम मैरिज बिल पर काफी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इस बिल के पास होने के बाद मुस्लिम समाज में काजी के जरिए की गई शादि मान्य नहीं मानी जाएगी। इसके लिए हर किसी को सरकारी रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद तलाक देने पर भी रजिस्ट्रेशन की जरूरत पड़ेगी। इस बिल को लेक विपक्ष काफी विरोध कर रहा है। उनका कहना है कि बाल विवाह के रोकने के फैसले के हम सर्थन में हैं, लेकिन शादी के लिए रजिस्ट्रेशन का हम समर्थन नहीं करते हैं।

विवाह के खिलाफ काम कर रहे हैं। हम महिलाओं के शोषण के खिलाफ काम कर रहे हैं। हमारा रुख पूरी तरह से अलग है। शर्मा ने कहा कि असम सरकार के पास चार से पांच एजेंडे हैं जिन पर सरकार काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि हमारा अगला कदम बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना होगा। हम अंतर-धार्मिक विवाहों को विनियमित करने के लिए भी काम कर रहे हैं। अगले अप्रैल तक हमारे पास चार और पांच एजेंडे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम उत्तराखंड यूसीसी पर किसी भी न्यायिक टिप्पणी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, हम बारीकी से देख रहे हैं। बता दें, उत्तराखंड ऐसा पहला राज्य है

राज्य सरकार ने लंबे समय से लंबित आधार कार्ड जारी करने के मुद्दे को मंजूरी दी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि आधार कार्ड से वंचित 9.35 लाख से अधिक लोग अब अपने निर्धारित आधार केंद्रों से आधार कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। फरवरी और अगस्त 2019 के बीच 9,35,682 व्यक्तियों के इस समूह ने उन केंद्रों पर आधार कार्ड जारी करने के लिए अपने बायोमेट्रिक्स उपलब्ध कराए थे जो एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) केंद्र भी थे। शर्मा ने बताया कि प्रभावित

व्यक्तियों में वे लोग भी शामिल हैं जो सीधे तौर पर एनआरसी से जुड़े नहीं थे, लेकिन उनके बायोमेट्रिक्स उस अवधि के दौरान एकत्र किए गए थे जब आधार पंजीकरण और एनआरसी नामांकन एक साथ किए गए थे। मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि व्यापक प्रयासों के बावजूद, राज्य को एनआरसी और आधार के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करने में चुनौतियों का सामना करना -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में सेना का वाहन खाई में गिरा तीन जवान शहीद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक दुखद घटना में सेना को ले जा रहा वाहन एक गहरी खाई में गिर गया। हादसे में तीन जवानों की मौत हो गई। इसके अलावा कई अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने ये जानकारी दी है। हादसा मंगलवार सुबह करीब छह बजे ट्रांस अरुणाचल हाइवे पर तापी गांव के पास हुआ। सेना के सूत्रों के मुताबिक, मृतकों की पहचान हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष कुमार के रूप में हुई है। सेना का जो ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वह कर्मियों को ले जा रहे काफिले का हिस्सा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब दुर्घटना -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौते के क्रियान्वयन पर तेजी से कार्य कर रही है सरकार : अतुल बोरा

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के असम समझौता कार्यान्वयन विभाग के मंत्री अतुल बोरा ने कहा है कि असम सरकार असम समझौते का अक्षरशः पालन करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लंबे छात्र आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने दबाव में आकर असम समझौता तो किया। लेकिन, बाद की कांग्रेस नेतृत्व वाली केंद्र तथा राज्य सरकारों ने इस दिशा में कोई

कार्य नहीं किया। जिस कारण यह आज तक पूरा नहीं हो सका है। मंत्री बोरा आज असम विधानसभा के चालू शरदकालीन सत्र के तीसरे दिन असम समझौता क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि असम समझौते के खंडों में से खंड 8.1, 8.2, 13, 14 और 15 पहले ही क्रियान्वित किए जा चुके हैं, जबकि शेष खंड 5.1 से 5.9 और 6,7, 9.1, 9.2, 10, अनुच्छेद 11 और -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर स्टालिन को पत्र लिखेंगे डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के बाद से राज्य की पुलिस ने करीब 50 बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की है और उन्हें वापस भेजा है। शर्मा ने कहा कि ये घुसपैठिए देश के दक्षिणी शहरों

तक पहुंचने के लिए असम का इस्तेमाल कर रहे थे, ताकि कपड़ा उद्योग में काम कर सकें। उन्होंने कहा कि वह अपने तमिलनाडु के समकक्ष को पत्र लिखेंगे, ताकि हाल ही में इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की पृष्ठभूमि (बैकग्राउंड) की जांच की जा सके। शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

अगर बंगाल जला तो असम, यूपी, बिहार भी जलेंगे : ममता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में लेडी-डॉक्टर की हत्या के मामले में बढ़ते तनाव के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि याद रखें अगर बंगाल जला तो असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे और पीएम की कुर्सी गिर जाएगी।। सीएम के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी के नेता सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की राष्ट्र विरोधी टिप्पणियां किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आवाज नहीं है। इसके जवाब में असम के -शेष पृष्ठ दो पर

असम को धमकाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को करारा जवाब दिया। उन्होंने ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि आपकी असम को धमकाने की हिम्मत कैसे हुई? असम के अन्य मंत्रियों ने भी बंगाल की सीएम के बयान की निंदा की। दरअसल कोलकाता में एक जनसभा के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता की महिला डॉक्टर की हत्या की घटना की आड़ में बंगाल में आग लगाने -शेष पृष्ठ दो पर

चंपाई की रेकी कर रहे थे झारखंड पुलिस के दो दारोगा : डॉ. शर्मा

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड में भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की जासूसी झारखंड सरकार ने कराया है। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि चंपाई सोरेन की रेकी की जा रही थी। साथ ही झारखंड से दिल्ली तक उनपर दो लोग नजर रख रहे थे। इस दौरान एक महिला के साथ मिलकर कुछ बड़े खेल की भी तैयारी थी। संभवतः हनीट्रैप की कोशिश हो रही -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का काट निकालेगा आरएसएस

नई दिल्ली। केरल के पलक्कड में 31 अगस्त से दो सितंबर तक होने जा रही आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों की समन्वय बैठक में संघ परिवार और भाजपा के खिलाफ आरक्षण को लेकर विपक्षी दलों के दुष्प्रचार की काट पर चर्चा होगी। आरएसएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समन्वय बैठक में सभी ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा होती है और इस क्रम में इस बार बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हिंसा, पश्चिम बंगाल में डाक्टर के सात दुष्कर्म कांड व राजनीतिक हिंसा, झारखंड के कई जिलों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती आबादी जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही आरएसएस की स्थापना की शताब्दी वर्ष के लिए कार्यक्रमों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार बार-बार स्पष्ट किए जाने के बावजूद संघ को आरक्षण विरोधी के रूप में चलाने की कोशिश की जा रही है। सरसंघचालक मोहन

भागवत खुद कई बार आरक्षण को भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के अनुरूप जरूरी बता चुके हैं। इसके बावजूद इस बार चुनाव के दौरान भागवत और गृहमंत्री अमित शाह का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से तैयार फेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। उन्होंने कहा कि विरोधियों के इस दुष्प्रचार को रोकने के लिए सभी आनुसंगिक संगठनों के प्रमुखों से राय ली जाएगी और उसके अनुरूप आगे काम किया जाएगा। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्ता पलट के बाद हिंदुओं के साथ हुई हिंसा को लेकर पूरा संघ परिवार चिंतित है। मोदी सरकार वहां हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

बंद के दौरान हिंसा, पुलिस ने किया लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले भी दागे

भाजपा नेता पर चली छह राउंड गोलियां

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में भाजपा द्वारा बुधवार को आहूत *बंगाल बंद* के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसा और तनाव की खबरें सामने आईं। कई स्थानों पर पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़पें हुईं, जिसके चलते पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। हुगली जिले के मानकुंडू स्टेशन पर बंद समर्थकों द्वारा रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन किया गया, जिससे अप और डाउन दोनों लाइनों की ट्रेनें रोक दी गईं। जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया तो स्थिति बेकाबू हो गई। पुलिस ने भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। कूचबिहार में बंद के दौरान कई स्थानों पर हिंसा भड़क उठी। पुलिस ने बताया कि सुबह 10 बजे तक कुल 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें तुफानगंज की विधायक मालती राभा

राय और कूचबिहार दक्षिण के विधायक निखिलरंजन डे भी हैं। इन दोनों विधायकों को पहले हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। दक्षिण दिनाजपुर के बुनियादपुर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में जिस दर से जनसंख्या बढ़ रही, उससे ज्यादा तेजी से छात्र कर रहे आत्महत्या : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में छात्र आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को लेकर एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक ट्रेंड रेखांकित गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में छात्र आत्महत्या की घटनाएं जनसंख्या वृद्धि दर और कुल आत्महत्या के ट्रेंड को पार करते हुए चिंताजनक दर से बढ़ रही हैं। खबरों के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के आधार पर, *छात्र आत्महत्याएं: भारत में फैली महामारी* रिपोर्ट बुधवार को वार्षिक आईसी 3

सम्मेलन और एक्सपो 2024 में लॉन्च की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि जहां कुल आत्महत्या संख्या में सालाना 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं छात्र आत्महत्या के मामलों की *कम रिपोर्टिंग* के बावजूद, छात्र आत्महत्या के मामलों में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पुरुष आईसी3 संस्थान द्वारा संकलित रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में छात्र आत्महत्याएं 4 प्रतिशत की चिंताजनक वार्षिक दर से बढ़ी हैं, जो राष्ट्रीय औसत से -शेष पृष्ठ दो पर

अब बहुत हो गया, मैं स्तब्ध और भयभीत हूं : कोलकाता कांड पर बोलीं राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कोलकाता की इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति ने अपने बयान में कहा है कि यह मात्र घटना नही है, अपराधों की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने देशवासियों से अपील करते हुए कहाकि आइए, हम सामूहिक रूप से कहें कि अब बहुत हो गया। राष्ट्रपति का यह बयान तीन पेज का है। जिसे एक्स पर साझा किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की वीभत्स घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मैं स्तब्ध और भयभीत हो गई। इससे भी अधिक निराशाजनक बात यह है कि यह अपनी तरह की एकमात्र घटना नहीं थी; यह महिलाओं के खिलाफ अपराधों की श्रृंखला का हिस्सा है। कोलकाता में जब छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तब भी अपराधी अन्य जगहों पर घूम रहे थे। पीड़ितों में किंडरगार्टन की लड़कियां भी शामिल हैं। कोई भी सभ्य समाज बेटियों -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी का पलटवार, कहा-

हाथरस और बृजभूषण सिंह के मामले में कहां थी

कोलकाता। कोलकाता में डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने बयान में कहा कि वह इस घटना से अत्यंत निराश और भयभीत हैं। उन्होंने इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अब बहुत हो चुका है। राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी उल्लेख किया कि वह महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों से गहरे दुखी हैं। उन्होंने कहा कि समाज को ईमानदारी और पूर्वाग्रह से मुक्त आत्मावलोकन की आवश्यकता है और हमें खुद से कड़े सवाल पूछने की जरूरत है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I, **Sumitra Basumatary,** Spouse of Sri. Sanjib Das P.P.O. No. 211202200180 and Army No. 13014211N, R/O. Ward No. 02, Paulpara, Gauripur Town, PO. & PS. Gauripur, Dist. Dhubri (Assam) have declared by an affidavit before the Magistrate, Dhubri on 18-07-2024 that change my name from Sumitra Das to Sumitra Basumstary for all purpose.

ओबीसी का फर्जी सर्टिफिकेट लेने पर यूएसटीएम मालिक के खिलाफ दर्ज होगा केस

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने एक बार फिर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम) पर बात की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने आरोप लगाया है कि यूएसटीएम के मालिक महबुबुल हक ने करीमगंज से ओबीसी के फर्जी प्रमाण पत्र लिया है। इसके लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को सचिवालय स्थित लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फर्जी तरीके से प्रमाण पत्र लेने के बाद स्वाभाविक रूप से मामला दर्ज किया जाना चाहिए। इस संबंध में जिला आयुक्त को बताया गया है। ओबीसी का फर्जी सर्टिफिकेट लेने के आरोप में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने यूएसटीएम के मालिक की टिप्पणी के संदर्भ में पहाड़ी जमीन की खुदाई पर भी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन हमेशा बुरा होता है, यह अच्छा नहीं हो सकता। गुवाहाटी का आमसांग और सोनापुर में खनन से कोई लेना-देना नहीं है। सोनापुर से पानी गुवाहाटी आना है तो पहले पहाड़ी पर चढ़ना होगा। उसके बाद पानी नीचे आ सकता है। उन्होंने इंगित करते हुए कहा कि यूएसटीएम के मालिक ने यदि इसे पानी के संदर्भ में नहीं कहा है, सामान्य संदर्भ में कहा है, तो मैं कार्रवाई के लिए कहूंगा। पहाड़ी खनन हमेशा खराब होता है। मैं पुलिस और वन विभाग को बताऊंगा, यह आमसांग में भी नहीं हो सकता। जनसांख्यिकी पर भी बड़ी टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि 28 हजार मतदान केंद्रों में से 19 हजार बूथों की जनसांख्यिकी बदल गई है। मैं कांग्रेस पार्टी से अपील करूंगा कि यह कोई राजनीतिक खेल नहीं है। हम सभी को मिलकर लड़ना होगा, लेकिन आप जहां हैं, वहां शांति से रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कल भी तीन बांग्लादेशियों को वापस भेज दिया था। वे बांग्लादेश में भोजन नहीं मिलने के चलते अवैध रूप से असम में घुस गए थे। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। यह एक चुनौती भी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति को देख लोग यह मान रहे थे कि वहां से हिंदू शरणार्थी असम में आएंगे, लेकिन यह उल्टा हो रहा है, हिंदू नहीं आ रहे बल्कि मुस्लिम बांग्लादेश के नागरिक यहां काम की तलाश में आ रहे हैं। यह सिर्फ असम में ही नहीं बल्कि त्रिपुरा पुलिस और बीएसएफ ने भी कई लोगों को पकड़कर उन्हें वापस भेज दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से अवैध रूप से मुस्लिम भारत में घुसने के बाद सीधे दक्षिण भारत के तामिलनाडु जाने का इरादा रखते हैं। वहां पर वे कपड़े की मिल में काम करने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं तामिलनाडु के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसकी गहनता से जांच करने का आह्वान करुंगा। अवैध रूप से घुसने वालों की संख्या कुल का महज 10 प्रतिशत है। उल्लेखानीय है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने कहा था कि यूएसटीएम ने पहाड़ी मिट्टी को काटा है, जिसके चलते मेघालय का पानी गुवाहाटी की ओर मुड़ गया है। इससे गुवाहाटी में हल्की सी बरसात के बाद भारी जलजमाव की स्थिति बन जाती है।

दुष्कर्मियों को फांसी के लिए बनाएंगे विशेष कानून : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के एक कार्यक्रम में आरजी कर अस्पताल कांड पर राज्य सरकार की स्थिति को स्पष्ट करते हुए कई अहम घोषणाएं कीं। ममता ने कहा कि वे राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर बलात्कार के मामलों में फांसी की सजा का कानून पारित करवाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इसके बाद की कार्रवाई में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। हम चाहते थे कि सात दिनों के भीतर फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से फैसला हो। टीएमसीपी के स्थापना दिवस के मौके पर बुधवार को धर्मतला के मेयो रोड में आयोजित रैली में ममता बनर्जी ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, भाजपा की राजनीति और अन्य कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बंगाल में कोई भी महिला असुरक्षित महसूस नहीं करेगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सख्त सजा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन मैं पीड़ितों को समर्पित करती हूं। देशभर में जितनी भी महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हुई हैं और उनके परिवारों को समर्पित करती हूं। उन्होंने छात्र-युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि मैं वकीलों से कहूंगी कि अदालत में भाजपा को मत छोड़ो। यह सुनिश्चित करें कि लोगों को अदालत में न्याय मिले। मुख्यमंत्री ने नवान्न मार्च के दौरान पुलिस की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैं कल के लिए पुलिस को सलाम करती हूं। वे संयमित रहे, अपना खून बहाया लेकिन भाजपा की साजिश में नहीं फंसे।

दो शातिर चोर गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के सोनारी चापरी पुलिस ने चोरी की सामग्री समेत दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि ढकुवाखाना सदर पुलिस थानांतर्गत सोनारी चापरी उप पुलिस पहरा चौकी की टीम ने आज तड़के विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठान में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चोरों की पहचान प्रवीण बूढ़ागोहाई उर्फ दिगंत बूढ़ागोहाई (45) और मलेश्वर लामू उर्फ मननी सिंग लामू उर्फ बार्लम उर्फ राजू लामू (35) के रूप में की गई है। दोनों सोनारी चापरी के चाराली वासुदेव इलाके में तीसरी बार चोरी की घटना को अंजाम देते समय पुलिस ने दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। चोरी की वारदात में व्यवहार की जा रही स्कूटी (एएस-22जी-7810) को भी पुलिस ने जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपित पुलिस के लिए सिर दर्द बने हुए थे। दोनों के ऊपर कई चोरी की वारदात पहले से दर्ज है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। लकुवा के नाहरहाबी चाय बागान में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान सुभद्रा भुइयां (45) के रूप में हुई है। महिला की मौत नाहरहाबी चाय बागान के पानीतोला डिबिजन में चायपत्ती तोड़ने के दौरान हुई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने महिला का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

पूसीरे की दोहरी लाइन परियोजनाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने दो दोहरी लाइन परियोजनाओं अर्थात न्यू बंगाईगांव-आगियाठुरी वाया रंगिया परियोजना और न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। यह परियोजनाएं पूर्ण हो जाने पर, दोहरीकृत लाइन परियोजनाएं इस जोन के लिए रेलवे नेटवर्क की क्षमता एवं दक्षता बढ़ाने, भीड़भाड़ को कम करने और तेज एवं अधिक विश्वसनीय ट्रेन सेवाएं सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया है कि न्यू बंगाईगांव-आगियाठरी वाया रंगिया परियोजना कुल 142.97 किमी की है। न्यू बंगाईगांव-सरभोग, बरपेटा रोड-नलबाड़ी और बाइहाटा-आगियाठुरी सेक्शन में कुल 102.77 किमी कवर हो चुका है, जिसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया और ट्रेन सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। वर्तमान में सरभोग-बरपेटा रोड और नलबाड़ी-बाइहाटा के बीच कुल 40.20 किलोमीटर का शेष सेक्शन अंतिम चरण में हैं। सरभोग-बरपेटा रोड सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। ये सेक्शन चालू वित्त वर्ष में चालू होने की राह पर हैं, जो इस क्षेत्र के अधीन रेल संपर्क में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त, न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा दोहरी लाइन परियोजना पर भी पूसीरे निरंतर प्रगति कर रही है, जिसका विस्तार कुल 176 किमी है। 162.80 किमी कवर करते हुए न्यू बंगाईगांव-आजरा सेक्शन पूरा हो चुका है और इस सेक्शन पर ट्रेन सेवाएं शुरू हो गई हैं। अंतिम सेक्शन आजरा-कामाख्या के बीच 13.20 किमी की योजना और विस्तार प्रगति पर है और वर्ष 2027 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। यह परियोजना महत्वपूर्ण कामाख्या जंक्शन तक रेल सेवाओं की दक्षता और क्षमता को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे इस क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी अवसंरचना को और मजबूती मिलेगी।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य सरकार ने ...

पड़ा, जिसके कारण कार्ड जारी करने में रुकावट आई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के समाधान के लिए राज्य सरकार ने एक कैबिनेट उप-समिति गठित की है, जो अखिल असम छात्र संघ (आसू) सहित विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने यह भी पाया कि एनआरसी से जिन 19 लाख लोगों के नाम गायब हैं और इन 9.35 लाख व्यक्तियों के बीच कोई संबंध नहीं है। शुरू में, हमने सोचा कि बाद वाले लोग पहले वाले का हिस्सा हैं, लेकिन हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि वे नहीं हैं। समिति के निष्कर्षों ने निष्कर्ष निकाला कि उस समय आधार और एनआरसी मुद्दों के बीच कोई ठोस संबंध नहीं था, जिससे आधार कार्ड जारी करने का रास्ता साफ हो गया। कैबिनेट ने उप-समिति की सिफारिशों को मंजूरी दे दी और पिछले दो वर्षों से केंद्र के साथ इस मामले को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे बताया कि 29 जुलाई को केंद्र ने इस मुद्दे पर आधिकारिक दस्तावेज मांगे थे। सॉलिसिटर जनरल से परामर्श के बाद केंद्र ने आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया फिर से शुरू करने का निर्देश दिया। शर्मा ने कहा कि एक महीने के भीतर, लोग उन केंद्रों से अपने आधार कार्ड प्राप्त कर सकते हैं, जहां उन्होंने पहले अपने बायोमेट्रिक्स उपलब्ध कराए थे। उन्होंने केंद्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान से अब प्रभावित व्यक्ति अपने आधार कार्ड का उपयोग करके राशन कार्ड और अन्य सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर...

प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जब पड़ोसी देश में अशांति होती है तो इसके प्रतिकूल प्रभाव होते हैं। पिछले कुछ महीनों में हमारी पुलिस ने करीब 50 बांग्लादेशियों की पहचान की और उन्हें वापस धकेल दिया। त्रिपुरा पुलिस और बीएसएफ भी इसी प्रकार के अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि करीमगंज जिले में घुसपैठ की कोशिशें हो रही हैं, इसलिए वहां सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि तीन अवैध प्रवासियों को बुधवार की सुबह पीछे धकेला गया। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं को किसी भी घुसपैठ से बचाने के लिए जारी नीति के तहत करीमगंज पुलिस ने आज सुबह 00:50 बजे बांग्लादेशी नागरिकों को पहचान कर उन्हें पीछे धकेल दिया। उन्होंने आगे कहा कि घुसपैठियों की पहचान मोहम्मद जुबैर शेख, जुएल शेख और रुमा खातून के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को प्रवेश करते देखा गया, वे मुस्लिम थे न कि हिंदू या बंगाली, जैसा कि आम धारणा थी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक शरणार्थी नहीं, बल्कि आर्थिक शरणार्थी भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए कपड़ा उद्योग में काम करने के तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी हिस्सों में जाने की कोशिश कर रहे थे। शर्मा ने कहा, मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगा, ताकि हाल ही में कपड़ा उद्योग में शामिल हुए लोगों की पृष्ठभूमि की जांच की जा सके। मुझे संदेह है कि शायद हम केवल दस फीसदी लोगों का पता लगा पा रहे हैं, जो अवैध तरीक से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं।

अरुणाचल में सेना ...

हुई, उस समय काफिला सुबनसिरी के दापोरिजो से लेपराडा के बसर की ओर जा रहा था। स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को बचाने और शव निकालने में मदद की। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने जवानों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं बहादुर आत्माओं की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं।

असम समझौते के ...

12 का कार्यान्वयन समय-समय पर और चरणों में केंद्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार असम समझौता कार्यान्वयन विभाग में स्वीकृत अधिकारियों और कर्मचारियों तथा रिक्तियों की सूची परिशिष्ट *ए* में दी गई है। सीमा सुरक्षा और विकास विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा की लंबाई (जिलावार) व्यौरे के अनुसार धुबड़ी और दक्षिण शालमारा मनकाचर 141.9 किलोमीटर, कछार 27.3 किमी तथा करीमगंज जिले में 98.3 किलोमीटर सीमा सील कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि करीमगंज जिले में 4.35 किमी की लंबाई को छोड़कर पूरे सीमा को सील कर दिया गया है। करीमगंज जिले की सीमा पर 4.35 किमी की कांटेदार तार की बाड़ बॉर्डर गार्ड आफ बांग्लादेश (बीजीबी) विभाग की आपत्तियों के कारण नहीं लगाई गई है। इस पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की जा रही है। बाड़ लगाने के लिए शेष नदी क्षेत्रों की निगरानी व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सीआईबीएमएस) द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा कि इसके अनुच्छेद 6 (उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट) और आर्थिक विकास से संबंधित संभावनाओं के अलावा राज्य के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं की निगरानी और रूपरेखा तैयार करने के लिए एक उप-समिति का गठन किया गया था, जिसमें असम समझौते के सभी प्रावधानों को शामिल किया गया था। इस उप-समिति ने अब तक अपने 5वें दौर की चर्चा की है। उप-समिति की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बोरा ने कहा कि असम सरकार ने असम समझौते के अनुच्छेद 6 तथा अन्य सभी खंडों के कार्यान्वयन के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए तीन मंत्रियों तथा असम छात्र संघ के प्रतिनिधियों के एक समूह की एक उप-समिति गठित की है। इस उप-समिति ने अब तक अपने 5वें दौर की चर्चाएं की हैं। मंत्री के उत्तर से नाराज विपक्षी पार्टी कांग्रेस के विधायकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। साथ ही उन्होंने हाथों में पोस्टर लेकर मंत्री का विरोध करना शुरू कर दिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने कहा कि सदन में इस तरह से पोस्टर लहराना गैर संवैधानिक है। जिसके बाद कांग्रेस के विधायक अपने आसन पर बैठ गए। कांग्रेस ने न्यायाधीश बिप्लव देव शर्मा कमेटी द्वारा सुझाए गए प्रावधानों को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में सरकार से जवाब मांगा। चर्चा के दौरान संसदीय कार्यमंत्री पियूष हजारिका ने कहा कि कांग्रेस बिप्लव देव शर्मा कमेटी की रिपोर्ट को लागू करने की बात कह रही है, जिसके तहत विधानसभा में 80 प्रतिशत सीटों को आरक्षित करने की बात है वहीं एआईयूडीएफ इसका विरोध कर रही है। विपक्ष पहले अपने अंदर ही इस बारे में विचार करे तो अच्छा होगा। ज्ञात हो कि कांग्रेस के द्वारा कमेटी की रिपोर्ट को लेकर जैसे ही मांग उठाई गई तो एआईयूडीएफ की ओर से डॉ. रसीदुल इस्लाम ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के विरूद्ध कार्य होगा। क्योंकि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण संविधान का उल्लंघन है।

अगर बंगाल जला तो...

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि आपकी असम को डराने की हिम्मत कैसे हुई? ममता ने कोलकाता की एक रैली में कहा था कि कुछ लोगों को लगता है कि यह बांग्लादेश है। मुझे बांग्लादेश से प्यार है। वे हमारी तरह बात करते हैं और हमारी संस्कृति भी एक जैसी है। लेकिन, याद रखिए कि बांग्लादेश अलग देश है और भारत अलग देश है। मोदी बाबू कोलकाता के रेप-मर्डर केस में अपनी पार्टी का इस्तेमाल करके बंगाल में आग लगवा रहे हैं। अगर आपने बंगाल को जलाया तो असम, नॉर्थ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। हम आपकी कुर्सी गिरा देंगे।

असम को धमकाने ...

की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप बंगाल को जलाएंगे तो असम, पूर्वोत्तर, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली सहित अन्य राज्य भी जलेंगे। आपकी कुर्सी हिल जाएगी। ममता बनर्जी के इस बयान के बाद असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि दीदी, असम को धमकाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई। हमें लाल आंखें मत दिखाइए। अपनी असफलता की राजनीति से भारत को जलाने की कोशिश मत कीजिए। आपको विभाजनकारी भाषा बोलना शोभा नहीं देता। वहीं असम के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि वह हमें धमका नहीं सकती। वह अपने राज्य में कानून व्यवस्था को नियंत्रित नहीं कर सकती और हमें धमकी दे रही हैं। असम में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैं ममता बनर्जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह एक बहुत वरिष्ठ नेता हैं और लंबे समय तक सीएम रहीं, उन्हें पता होना चाहिए कि सार्वजनिक रूप से कैसे बोलना है। असम में तब तक कुछ ऐसा कुछ नहीं होगा, जब तक यहां भाजपा सरकार है और हिमंत विश्व शर्मा सीएम हैं। बता दें कि आरजी कर घटना विरोध में देशभर नाराजगी है। बीच बीते दिन राज्य सचिवालय *नबान्न* तक प्रदर्शनकारियों के पहुंचने के प्रयासों के दौरान कई स्थानों पर पुलिस के साथ झड़पें हुईं। कोलकाता और हावड़ा की सड़कों पर बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। राज्यभर में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

चंपाई की रेकी ...

थी लेकिन समय रहते दिल्ली पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर भी इस बात को साझा किया है। गुवाहाटी (असम) में बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपाई सोरेन जब रांची से कोलकाता पहुंचे और कोलकाता से फिर दिल्ली गए तो उनका पीछा किया जा रहा था। एक ही फ्लाइट से दोनों रेकी करने वाले लोग भी साथ गए। इसके अलावा जिस ताज होटल में रुके, उनके कमरे के बगल में ही रूम बुक कर दोनों रह रहे थे। चंपाई सोरेन किससे मिल रहे हैं और कहां जा रहे हैं, इसकी फोटो और पूरी जानकारी झारखंड सरकार तक पहुंचाई जा रही थी। हिमंत के मुताबिक, जब दोनों की गतिविधियां संदिग्ध दिखी और पूछताछ की गई तो दोनों ने खुद को पत्रकार बता दिया। जब दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया तो खुलासा हुआ कि दोनों युवक झारखंड पुलिस के स्पेशल ब्रांच के दारोगा थे। इनसे पूछताछ में जानकारी मिली कि उनकी ड्यूटी लगाई गई थी। जब भी चंपाई सोरेन दिल्ली जा रहे थे, उनके पीछे दो पुलिसकर्मी लगाए जाते थे। इस मामले में चंपाई सोरेन ने एक केस दर्ज कराया है। अब पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। हिमंत ने कहा कि झारखंड में अभी चंपाई हेमंत के कैबिनेट में मंत्री भी हैं। इस तरह से किसी के निजी जीवन में रेकी कराना सही नहीं है। शायद देश में ऐसा मामला पहला होगा, जहां पूर्व मुख्यमंत्री सह मंत्री पर नजर रखी जा रही हो। इस मामले में झारखंड पहुंचने के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भी मुलाकात कर उनको जानकारी देंगे।

विपक्षी दलों के ...

के साथ बातचीत कर रही है। इसके लिए और क्या-क्या किया जा सकता है इस पर आनुसंगठिक संगठनों के साथ बातचीत की जाएगी ताकि इस मुद्दों को अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाया जा सके और बांग्लादेश सरकार पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दवाब बनाया जा सके। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में लगातार हो रही हिंसक घटनाओं को लेकर वहां से आने वाले पदाधिकारी अपनी रिपोर्ट देंगे। खासतौर पर महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद उत्पन्न स्थिति पर विशेष चर्चा होगी। इसी तरह से आरएसएस ने झारखंड के कुछ जिलों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या और इससे वहां हजारों साल से रह रहे आदिवासी समाज पर उत्पन्न खतरे की खबरों को गंभीरता से लिया है। समन्वय बैठक में आदिवासियों के बीच काम कर रहे आनुषंगिक संगठन इसको लेकर अपनी ग्राउंड रिपोर्ट दे सकते हैं। भाजपा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महामंत्री (संगठन) जेपी नड्डा सहित दो-तीन अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

बंद के दौरान हिंसा, पुलिस ...

नगरपालिका क्षेत्र में भाजपा और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच विवाद छिड़ गया। दोनों दलों के समर्थकों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें तृणमूल के हमले में एक भाजपा कार्यकर्ता के सिर में गंभीर चोट आई। हावड़ा-बंडेल लोकल ट्रेन को भी हावड़ा स्टेशन पर रोक दिया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेल ट्रैक पर लेटकर प्रदर्शन किया। इसी तरह, मुर्शिदाबाद के कई स्टेशनों पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेलवे ट्रैक पर कब्जा कर लिया, जिससे ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं। पश्चिम मिदनापुर के घाटाल और भाटपाड़ा में भी बंद के दौरान भाजपा और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। भाजपा ने यहां पुलिस पर अकारण बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। इस दौरान भाटपाड़ा में गोलीबारी की सूचना भी आई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। राज्य के विभिन्न जिलों जैसे असनसोल, मालदा, कूचबिहार, और पूर्व मेदिनीपुर में भी बंद के समर्थन और विरोध में जमकर प्रदर्शन हुए। कई स्थानों पर बसों और अन्य वाहनों को रोककर प्रदर्शन किया गया। बंगाल में भाजपा के इस *बंगाल बंद* ने राज्य के कई हिस्सों में तनाव पैदा कर दिया। समाचार लिखे जाने तक कई स्थानों पर पुलिस की सख्ती से स्थिति नियंत्रण में आ गई है जबकि कुछ स्थानों पर तनाव बरकरार है। उधर बंद के दौरान भाजपा के स्थानीय नेता प्रियांगु पांडे पर हमला हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक अज्ञात व्यक्ति प्रियांगु पांडे की कार पर फायरिंग कर रहा है। इस हमले में कुल छह राउंड गोलियां चलाई गईं, जिसमें कार का शीशा टूट गया और गोली ड्राइवर को जा लगी। इस घटना में प्रियांगु पांडे भी घायल हो गए और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस हमले को टीएमसी के गुंडों की करतूत बताया और कहा कि ये ममता बनर्जी और उनकी पार्टी द्वारा भाजपा को सड़कों से हटाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि इस बंद को लोगों का समर्थन मिला है और पुलिस और टीएमसी का गठजोड़ भाजपा को डराने में नाकाम रहेगा। भाजपा के एक अन्य नेता अर्जुन सिंह ने बताया कि प्रियांगु पांडे पार्टी के नेता हैं और जब वह अपनी गाड़ी में आ रहे थे, तभी उन पर बम और गोलियों से हमला हुआ। उन्होंने कहा कि हमले के वक्त एसीपी भी मौजूद थे, और यह एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है। इस घटना के बाद राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है, और भाजपा ने इसे ममता बनर्जी सरकार की विफलता बताते हुए विरोध जारी रखने की चेतावनी दी है। इस बीच, भाजपा नेता सजल घोष को बंद लागू करने के आरोप में पुलिस ने मध्य कोलकाता के उनके बोबाजार घर से हिरासत में ले लिया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) इंद्राणी मुखर्जी ने कहा कि घोष को क्षेत्र में कथित रूप से उपद्रव फैलाने के आरोप में लालबाजार ले जाया गया। घोष की पत्नी तानिया घोष ने आरोप लगाया कि उनके पति केवल हाथ जोड़कर शांतिपूर्वक अपील कर रहे थे कि चिकित्सक की हत्या के लिए न्याय के समर्थन में 12 घंटे का बंद रखा जाए। भाजपा नेता रूपा गांगुली और अग्निमित्रा पॉल को टीएमसी समर्थकों के गुस्से का सामना करना पड़ा, जब भाजपा नेता दक्षिण कोलकाता के गरियाहाट मोड़ पर बाजार बंद करने की अपील कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष मजूमदार और पूर्व सांसद देबोश्री चौधरी को उत्तर 24 परगना के बागुईहाटी में देखा गया, जहां उन्होंने विरोध मार्च का आयोजन किया, लेकिन पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें बंद के समर्थन में सड़कों पर मार्च न करने के लिए कहा।

भारत में जिस दर ...

दोगुनी है। 2022 में कुल छात्र आत्महत्याओं में पुरुष छात्रों की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी। 2021 और 2022 के बीच छात्र आत्महत्याओं में 6 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि महिला छात्रों की आत्महत्या में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खबरों के अनुसार रिपोर्ट में बताया गया है कि छात्र आत्महत्याओं की घटनाएं जनसंख्या वृद्धि दर और कुल आत्महत्या ट्रेंड, दोनों को पार कर रही हैं। पिछले दशक में 0-24 वर्ष के बच्चों की आबादी 582 मिलियन से घटकर 581 मिलियन हो गई, जबकि छात्र आत्महत्याओं की संख्या 6,654 से बढ़ कर 13,044 तक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश को सबसे अधिक छात्र आत्महत्या वाले राज्यों के रूप में पहचाना जाता है, जो कुल घटनाओं का एक तिहाई है। दक्षिणी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सामूहिक रूप से इन मामलों में 29 प्रतिशत का योगदान देते हैं, जबकि राजस्थान, जो अपने उच्च-स्तरीय शैक्षणिक माहौल के लिए जाना जाता है, 10वें स्थान पर है, जो कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों से जुड़े दबाव को उजागर करता है।

अब बहुत हो गया...

और बहनों के साथ इस तरह के अत्याचार की अनुमति नहीं दे सकता। राष्ट्र का आक्रोशित होना तय है, और मैं भी। हमें अपनी बेटियों के प्रति यह दायित्व है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें। फिर हम सामूहिक रूप से अगले रक्षाबंधन पर उन बच्चों की मासूम जिज्ञासा का दृढ़ उत्तर दे सकेंगे। आइए, हम सामूहिक रूप से कहें कि अब बहुत हो गया।

हाथरस और बृजभूषण...

राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी बताया कि कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह के अत्याचारों की अनुमति नहीं दे सकता है। इस पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने राष्ट्रपति के बयान पर अपनी टिप्पणी दी है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति के विचारों की पुष्टि की और मामले की गंभीरता को स्वीकार किया। कुणाल घोष ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरजी कर अस्पताल में हुए मामले को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिंता व्यक्त की है। उनका बयान आ गया है, लेकिन हमारी पार्टी और हम सभी न्याय के पक्ष में हैं और हम चाहते हैं कि आरोपी को मौत की सजा मिले। कुणाल घोष ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने अब इस मामले पर क्यों प्रतिक्रिया दी है? उन्नाव, हाथरस, महाराष्ट्र, बदलापुर, उत्तराखंड जैसे कई मामलों में राष्ट्रपति ने पहले क्यों नहीं बोला? जब गोल्ड मेडलिस्ट साक्षी मलिक ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप लगाया था, तब राष्ट्रपति का क्या रुख था? अब जब बंगाल में इस तरह की घटना हुई है, तो इसे एक सामाजिक अपराध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में ऐसी घटनाओं पर राष्ट्रपति ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, लेकिन कृपया इस प्रकार का आचरण न करें।

संदीप घोष की ...

डॉ. संदीप घोष की सदस्यता निलंबित करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म-हत्याकांड मामले के बाद इसके पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष भी जांच के दायरे में आए थे। संदीप घोष ने घटना के अगले ही दिन कॉलेज के प्रिंसिपल पद से इस्तीफा दे दिया था। संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान कॉलेज में कथित तौर पर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने घोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। सीबीआई ने संदीप घोष का पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया था। वहीं एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार सीबीआई अब घोष के 9 अगस्त की सुबह सेमिनार कक्ष में ट्रेनी डॉक्टर का शव मिलने के तुरंत बाद किए गए मोबाइल फोन कॉल्स को ट्रैक कर रही है। जांच अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन कॉल्स के दौरान बातचीत के दौरान वास्तव में क्या हुआ था।

कैबिनेट का फैसला ...

रुपए के निवेश का अनुमान है। इस योजना से 10 लाख रोजगार परोक्ष रूप से और 30 लाख रोजगार अपरोक्ष रूप से सृजित होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता में बताया कि कैबिनेट में इसके अलावा कई और महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसमें 234 नए शहरों में निजी एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दी गई। साथ ही रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग रु. 6,456 करोड़ है। *कृषि अवसंरचना निधि* (एआईएफ) के तहत वित्त पोषण सुविधा की केंद्रीय क्षेत्र योजना में विस्तार को मंजूरी दे दी गई है। एआईएफ की केंद्रीय क्षेत्र योजना के विस्तार को मंजूरी का उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक, प्रभावशाली और समावेशी बनाना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 10 राज्यों में फैली और 6 प्रमुख गलियारों के साथ रणनीतिक रूप से योजनाबद्ध, ये परियोजनाएं भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोप्पर्थी, राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे।

सांप्रदायिक संघर्ष और तुष्टिकरण कांग्रेस की विचारधारा : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में दिल्ली और दिसपुर में मजबूत सरकार बनने के बाद असम समेत देश के किसी भी हिस्से में सांप्रदायिक हिंसा दंगे नहीं होने दी गई। भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा देश में अशांति फैलाने के सभी प्रयासों को विफल करके राज्य में एक स्वस्थ और मजबूत सामाजिक सद्भाव का माहौल बनाए रखने में सफलता हासिल की है। सरकार के इस कदम ने विपक्षी दलों को घटिया राजनीति करने का कोई मौका नहीं दिया है। इसलिए, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता हताशा से ग्रस्त हैं। हम सभी जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक विचारधारा जातीय संघर्ष, सांप्रदायिक संघर्ष और चापलूसी की राजनीति के जरिए समाज में विभाजन फैलाकर सत्ता में बने रहना है। लेकिन 2014 से लगातार तीन लोकसभा चुनाव हारने के बाद, कांग्रेस पार्टी अपने रास्ते से भटक गई है और हमारे पुराने समाज को नष्ट करने की गहरी साजिश में लगी हुई है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजीव कुमार शर्मा आज बशिष्ठ स्थित पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्वतंत्रता के बाद से असम में असम और असमिया की गरिमा को नष्ट करने के लिए विभिन्न साजिशों में शामिल रही है। भाषा आंदोलन, मीडिया आंदोलन, असम आंदोलन और विभिन्न आदिवासी आंदोलनों को बातचीत के जरिए हल करने के बजाए, कांग्रेस पार्टी ने दमन का तरीका इस्तेमाल करके बांग्लादेशी मियां मुसलमानों को असम की जमीन पर अतिक्रमण करने दिया। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के शासन के दौरान ही था कि जंगल, सत्र (मठ) और मंदिरों, ब्रह्मपुत्र की चर-चापरी आदिवासी बेल्ट और ब्लॉकों, अनुसूचित जनजातियों के कार्यस्थलों के रूप में जाने जाने वाले विभिन्न बीलों और जलाशयों पर आक्रमण मियां मुसलमानों द्वारा संभव हुआ था। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण यह है कि कांग्रेस नेतृत्व ने, खासकर हितेश्वर सैकिया और तरुण गोगोई के शासन के दौरान, असम की भूमि पर मियां मुसलमानों ने अतिक्रमण किया। संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता पंकज बरबोरा, ऋतुबरन शर्मा और मीडिया विभाग के संयोजक देवान ध्रुबज्योति मोरल मौजूद थे। प्रवक्ता ने कहा कि उदाहरण के लिए, हम सभी जानते हैं कि असम

आंदोलन के बाद 1991 में बनी हितेश्वर सैकिया की सरकार और 2001 में बनी तरुण गोगोई की सरकार में असम के आदिवासी बेल्ट ब्लॉकों में मियां मुसलमानों की सबसे अधिक आमद रही। 1991 के बाद तत्कालीन सरकारों के संरक्षण में ग्वालपाड़ा, बिलासीपाड़ा, गौरीपुर, गोसाईगांव, बिजनी, सरभोग, कोकराझाड़, मुस्लिमपुर, कलाईगांव, माजबाट आदि कई गांवों से आदिवासी लोगों को व्यवस्थित तरीके से भगाया गया। समय-समय पर मीडिया में इस तरह के फैलाव की खबरें भी आती रही हैं। रथिमा ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर राजशाही सर्कल के अंतर्गत एक इलाका है। तरुण गोगोई के शासनकाल में मियां मुसलमानों ने राभा और गारो के निवास वाले बड़े लथिमा क्षेत्र से आदिवासियों को खदेड़ दिया और उनकी जमीन और संपत्ति पर कब्जा कर लिया। आज उस क्षेत्र का कोई भी भूमिपुत्र अपने पैतृक स्थान पर लौटने की हिम्मत नहीं करता। तरुण गोगोई के शासन के दौरान लखीपुर सर्किल में 10 से अधिक गारो आदिवासी गांव मियां आक्रमण के अधीन थे। लेकिन, तथाकथित शक्तिशाली कांग्रेस मुख्यमंत्री ने स्वदेशी भूमिपुत्रों को कोई सुरक्षा देने के बारे में नहीं सोचा। इसी तरह, 2012 में अविभाजित दरंग जिले के कई इलाकों पर मियां मुसलमानों ने आक्रमण किया था। नाहरझार, मुराकाटी, मराबेगापाड़ा, पानबाड़ी, शेरपुर, कदमतला, झारगांव, चालनिकुची-अभयपुखुरी, लाइलांग आदि सहित बोड़ो और राभा लोगों की पैतृक भूमि पर मियां आक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया था, लेकिन तरुण गोगोई सरकार ने अप्रत्यक्ष रूप से मियां आक्रमणकारियों को बढ़ावा दिया। यह तो एक उदाहरण मात्र है, मूलनिवासी भूमिपुत्र का दुखद इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है। कांग्रेस का चरित्र यही है। कांग्रेस पार्टी, जो जनता द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद से राजनीतिक उथल-पुथल में है, ने हाल ही में खुद को राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश की है। हालांकि, कांग्रेस के ऐसे प्रयास ज्यादा काम नहीं आए हैं। इसलिए, कांग्रेस की मुख्य नीति मियां की चापलूसी करना और मूलनिवासी लोगों का विरोध करना है। विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया का हालिया बयान इसका ज्वलंत उदाहरण है। हमने विपक्ष के नेता को दक्षिण असम में मियां आक्रमण के समर्थन में असम के 27 राष्ट्रीय संगठनों के फैसले का विरोध करते भी देखा है।

असम के लगभग हर जिले में अभाविप का सदस्यता अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का सदस्यता अभियान 5 अगस्त से पूरे असम में चलाया जा रहा है। पूरे असम के लगभग सभी कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में सदस्यता अभियान चल रहा है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हर साल एक खास प्रक्रिया के तहत पूरे भारत में सदस्यता अभियान चलाती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक छात्र संगठन है, जो छात्र शक्ति को राज्य की शक्ति के रूप में निर्मित करके भारत को दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक बनाने के लिए अथक प्रयास करता है। इस सदस्यता अभियान के तहत असम के हर जिले के लगभग हर शैक्षणिक संस्थान में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। आज विशेष रूप से असम विश्वविद्यालय, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, उत्तर लखीमपुर विश्वविद्यालय, दरंग कॉलेज, तेजपुर कॉलेज, सिपाझार कॉलेज, प्राग्ज्योतिष कॉलेज, गुवाहाटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, डीआर कॉलेज, मरियानी कॉलेज, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, लमडिंग कॉलेज आदि सहित उच्च शिक्षा के अधिकांश संस्थानों में सदस्यता अभियान चलाया गया।

सरफांगगुड़ी के रामफलबिल में जागरूकता सभा आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के सेरफांगुड़ी पुलिस स्टेशन और नागरिक समिति के द्वारा आज रामफलबिल वीसीडीसी में नागरिक समिति के अध्यक्ष अरुण बसुमतारी की अध्यक्षता में सेरफांगुड़ी थाना प्रभारी सुशील श्रेत्री द्वारा एक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में कचुगांव सर्कल के सर्कल इंस्पेक्टर हितेश शर्मा, सेरफांगुड़ी मॉडल अस्पताल के डॉ. बलागफा, रामफलबिल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सुनील बसुमतारी, आरएसी/एबीएसयू और आक्रासू के अध्यक्ष, गांवबूढ़ा एसोसिएशन के सदस्य और सभी नागरिक समिति के सदस्य तथा क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने भाग लिया।

सेना ने मनाया महिला समानता दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। देश की महिलाओं के प्रति एकजुटता और सम्मान के प्रतीक के रूप में, भारतीय सेना ने महिला समानता दिवस के अवसर पर महादेव अग्रवाल हायर सेकेंडरी स्कूल, मोरियानी, असम और तक्षिंग गांव, अरुणाचल प्रदेश में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। महादेव अग्रवाल हायर सेकेंडरी स्कूल में सेना ने एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया, जिसमें एक व्याख्यान और एक प्रेरणादायक फिल्म की स्क्रीनिंग शामिल थी। इस कार्यक्रम में 60 छात्राओं ने भाग लिया और यह समाज और सशस्त्र बलों, दोनों में महिलाओं की अडिग भावना, साहस और समर्पण को श्रद्धा देने का कार्य किया। छात्राओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के तरीके के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई और राष्ट्र

की सेवा के लिए आवश्यक तैयारी के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस उत्सव का विस्तार अरुणाचल प्रदेश के तक्षिंग गांव तक भी हुआ, जहां सेना ने लिंग समानता और महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया और देश भर में महिलाओं द्वारा दिए गए बलिदानों को याद किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को जागरूक और प्रेरित करना था, जो एक मजबूत राष्ट्र निर्माण में लिंग समानता के महत्व को पुनः स्थापित करता है। सेना देश की प्रगति में महिलाओं के अमूल्य योगदान को पहचानते हुए, लिंग समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रति प्रतिबद्ध है।

असम के मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के विरुद्ध दिसपुर थाना में लिखित शिकायत, प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विपक्षी दलों के गठबंधन विपक्षी ऐक्य मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के विरुद्ध दिसपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा तथा महासचिव लुरिन ज्योति गोगोई की ओर से दी गई लिखित शिकायतमें मुख्यमंत्री पर धर्म और जाति के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। लिखित शिकायत में कहा गया है कि धिंग की एक छात्रा के साथ बलात्कार की घटना के खिलाफ पूरे असम में गुस्सा फूट रहा है। मुख्यमंत्री इस घटना के आरोपित व्यक्ति के विशेष समुदाय को निशाना बनाकर सांप्रदायिक उन्माद भड़काने की कोशिशें कर रहे हैं, जिसके कारण शिवसागर में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने धार्मिक अल्पसंख्यकों से जुड़े कुछ लोगों पर हमला किया

है। ऐसी ही एक घटना में 2021 के विधानसभा चुनाव में नाजरि क्षेत्र से पराजित उम्मीदवार मयूर बरगोहाई ने अपने अधीन काम करने वाले कुछ मजदूरों के साथ मारपीट की। यह राज्य में दंगे जैसी स्थिति पैदा करने की साजिश के तहत किया गया है। हिमंत विश्व शर्मा और अन्य भाजपा नेता ऐसी अशांति पैदा करने की आपराधिक साजिश का हिस्सा हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का कहना है कि शर्मा का एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर भड़काऊ बयान देने का इतिहास रहा है। एक साल पहले उन्होंने एक धार्मिक समुदाय (जिसे उन्होंने *मियां* कहा था) से जुड़े लोगों को गुवाहाटी से बाहर निकालने की लोगों से अपील की थी। धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपने हमले को जारी रखते हुए उन्होंने बीते 4 अगस्त को स्पष्ट सांप्रदायिक आक्षेप के साथ शाह आलम नामक एक पत्रकार को निशाना बनाया। उन्होंने 23 अगस्त को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान फिर से एक धार्मिक समुदाय का हवाला देते हुए निराधार दावा किया कि एक खास क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद एक खास समुदाय से संबंधित व्यक्ति जानबूझकर गोमांस खाना शुरू कर देता है, जिससे दूसरे समुदाय के लोग उस जगह से चले जाते हैं और इस तरह वे इन क्षेत्रों पर कब्जा कर लेते हैं। सार्वजनिक रूप से इस तरह के लगातार बयानबाजी से विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा होने की संभावना है।

बीटीसी प्रमुख बोरो ने जल और स्वच्छता परियोजनाओं की समीक्षा की

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने व्यापक समीक्षा की कोकराझाड़ जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) विभाग की गतिविधियां, जल जीवन मिशन (जेजेएम) और स्वच्छ भारत के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी)। समीक्षा बैठक 28 अगस्त, 2024 को हुई बीटीसी सचिवालय, कोकराझार। पीएचई के लिए बीटीसी कार्यकारी सदस्य डॉ. स्वर्गी और दर्ज करें बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने इसके महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वच्छ जीवन सुनिश्चित करना

स्थितियां। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीटीसी सरकार समयबद्धता के लिए प्रतिबद्ध है की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन आवश्यक योजनाओं का कार्यान्वयन समुदाय। हमारी सरकार स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है कोकराझाड़ के प्रत्येक नागरिक के लिए स्थितियां, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने कहा। यह तनावग्रस्त है कि जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन-समाज की समग्र बेहतरी के लिए ग्रामीण महत्वपूर्ण है। बोरो ने आगे रेखांकित किया इन महत्वपूर्ण सेवाओं को प्रदान करने में एक जन-केंद्रित सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने ईएम डॉ. से भी आग्रह किया। की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए स्वर्गीयारी में प्रवेश करें प्रगति बनाए रखने और किसी भी मुद्दे का तुरंत समाधान करने के लिए बीटीआर के भीतर गतिविधियां। इस अवसर पर बोलते हुए ईएम डॉ. स्वागियारी ने समन्वय बढ़ाने का आह्वान किया और सभी हितधारकों से इन मिशनों के कार्यान्वयन में दक्षता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया। समुदाय की जरूरतें और यह सुनिश्चित करना संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

बलात्कार की घटना को लेकर लंका में प्रदर्शन जारी

होजाई (हिंस)। प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन आज भी जारी है। आज सुबह लंका की बरदलंग पंचायत के लालुंगडुबी में बंगाली समुदाय ने राज्य में बलात्कार के साथ-साथ कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से बलात्कारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका और उनके इस्तीफे की मांग की।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ रंगिया में विभाग की निकाली शवयात्रा

रंगिया (निसं)। रंगिया मे स्मार्ट मीटर के विरोध मे आसू कार्यकर्ता संबंधित विभाग के प्रतीकी शव को कंधे पर लादकर सड़कों पर उतर गये। वर्तमान में प्रदेश भर में बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर को लेकर आम जनता में आक्रोश है। इस बीच, आसू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विभाग के विरोध में रंगिया में अंतिम संस्कार जुलूस निकाला। विभाग की प्रतीकात्मक इकाई लेकर प्रदर्शनकारियों ने रंगिया शहर में आसू कार्यालय से होते हुए वार्ड नंबर 4 में बरलिया नदी के घाट तक मार्च किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने शव को बरलिया नदी में बहा दिया। अखिल असम छात्र

संस्था (आसू) कार्यालय के सचिव भक्तज्योति दास ने मीडिया के सामने बिजली विभाग की कड़ी आलोचना की। उन्होंने स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार आम आदमी पर अत्याचार कर रही है। गौरतलब है कि हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने *सरकार हाय हाय, अत्याचार बंद करो* जैसे नारे लगाए। दूसरी ओर आज बुधवार को रंगिया ब्लॉक कांग्रेस के तत्वाधान मे कांग्रेस दल के कार्यकर्ताओं ने 1 नं विद्युत उप संमडल कार्यालय के समक्ष स्मार्ट मीटर के विरोध मे प्रदर्शन किया।

बिश्वनाथ : विश्व हिंदू परिषद ने स्थापना दिवस के साथ मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

बिश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ जिले के बिश्वनाथ ग्रामीण प्रखंड के कुमलिया खंड में विश्व हिंदू परिषद का 60 वां स्थापना दिवस और श्री कृष्ण जन्माष्टमी एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह 11 बजे ध्वजारोहण के बाद बच्चों ने कृष्ण की लीला पर आधारित विभिन्न नृत्य प्रस्तुत किये। शाम को श्रीकृष्ण आरती के बाद धर्म सभा हुई। बैठक की अध्यक्षता कुमलिया प्रखंड समिति के अध्यक्ष पद्म चौहान एवं ने की तथा संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूद्र ढुंगेल ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद उत्तर पूर्व प्रांत की मातृ शक्ति संयोजिका श्रीमती बकुल रॉय ने भाग लिया, उन्होंने जनसंख्या वृद्धि, प्लास्टिक के उपयोग आदि के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदू समाज में प्रत्येक मां को अपने बच्चों को कैसे शिक्षित करना चाहिए, उन्होंने बैठक में उपस्थित माताओं को हिंदू संस्कृति की सलाह दी। उन्होंने उपस्थित माताओं को सलाह दी कि किस प्रकार हिंदू समाज की प्रत्येक मां को अपने बच्चों को हिंदू संस्कृति से संस्कारित करना चाहिए। सभा के अंत भजन कीर्तन के कार्यक्रम होने के बाद पूरे दिन चलने वाला कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में बिश्वनाथ जिला समिति के उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, सचिव इंद्रजीत गुप्ता, सहायक सचिव विकास कार्की, बिश्वनाथ ग्रामीण खंड सत्संग प्रमुख टंकनाथ घिमिरे, कुमलिया खंड समिति के सचिव पंकज मिजार और मदन कार्की के साथ स्थानीय व्यक्ति उपस्थित थे।

होजाई में पुलिसकर्मियों का बीएमआई टेस्ट जारी

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे राज्य के साथ ही होजाई जिले के पुलिसकर्मियों का शारीरिक क्षमता और बीएमआई परीक्षण किया जा रहा है। होजाई पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर में बीएमआई टेस्ट कराने के लिए पुलिसकर्मी पहुंच रहे हैं। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि असम पुलिस में कोई मोटा पुलिस अधिकारी और जवान न हो। हर कोई स्वस्थ और फिट रहकर अपनी सेवा कर सके। यह निर्णय विशेष रूप से असम पुलिस के जवानों को स्वस्थ रखने के लिए लिया गया था। बीएमआई टेस्ट असम पुलिस के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को ध्यान में रखकर उनके शारीरिक क्षमता को ठीक करने के उद्देश्य से किया जाता है। होजाई में 26 से 29 अगस्त तक सभी पुलिस अधिकारियों की बीएमआई मूल्यांकन परीक्षा सुचारू रूप से चल रही है। उल्लेखनीय है कि असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने यह आदेश बीते वर्ष तब जारी किया था, जब असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मोटे और शराबी पुलिसकर्मियों को लेकर चेतावनी दी थी।

एनटीपीसी, बंगाईगांव ने कैंसर देखभाल परियोजना को लेकर असम कैंसर केयर फाउंडेशन के साथ किए हस्ताक्षर

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने कोकराझाड़ में कैंसर देखभाल परियोजना को शुरू करने के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कदम से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनटीपीसी बंगाईगांव ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के एक हिस्से के रूप में कोकराझाड़ जिले में एक व्यापक कैंसर देखभाल परियोजना शुरू करने के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। ?32.7 लाख मूल्य की यह पहल विभिन्न गांवों में लगभग 42,000 लोगों को निवारक और नैदानिक देखभाल की अंतिम-मील पहुंच प्रदान करके असम में बढ़ते कैंसर के बोझ को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है। 27 अगस्त 2024 को आयोजित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह का नेतृत्व एनटीपीसी बंगाईगांव के परियोजना प्रमुख अखिलेश सिंह ने किया। एनटीपीसी बंगाईगांव की ओर से एनटीपीसी बंगाईगांव के एजीएम (एचआर) ओंकार नाथ और असम कैंसर केयर फाउंडेशन की ओर से असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के सीईओ डॉ. मेजर जनरल जे पी प्रसाद ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में बोलते हुए अखिलेश सिंह ने कैंसर का पता लगाने, उपचार और रोकथाम में उनके

उल्लेखनीय प्रयासों के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना कोकराझाड़ के लोगों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाएगी और उन्हें बहुत जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं और सहायता प्रदान करेगी। हस्ताक्षर समारोह में असम कैंसर केयर फाउंडेशन के कैंसर देखभाल एवं अनुसंधान प्रमुख डॉ. सुब्रत चंदा, असम कैंसर केयर फाउंडेशन के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. निर्मल सिंहा, जीएम (संचालन) आशुतोष बिस्वास, एनटीपीसी बंगाईगांव के सीएमओ दीपायन पॉल, डीजीएम (एचआर) रोशन डुंगडुंग, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर-कॉर्पोरेट संचार) मधुरज्या सिंहा लाहकर, कार्यकारी (सीएसआर) श्रीमती अदुती ठाकुरी और एनटीपीसी टीम के अधिकारी शामिल हुए। एनटीपीसी बंगाईगांव और एसीसीएफ द्वारा पहली बार शुरू की गई कैंसर देखभाल परियोजना में कोकराझाड़ जिले के चार ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (बीपीएचसी) और लगभग 80 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी) शामिल होंगे। यह परियोजना कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर प्रारंभिक जांच के माध्यम से कैंसर, विशेष रूप से मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र पता लगाना शामिल है। इस पहल में स्वास्थ्य कर्मियों और आम जनता को कैंसर, इसके जोखिम कारकों और सरकारी योजनाओं की उपलब्धता के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता और संवेदीकरण सत्र भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कैंसर रोगियों को घर-आधारित उपशामक देखभाल प्रदान की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें अपने घरों में आराम से आवश्यक सहायता मिले। परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह सुनिश्चित करना है कि पुष्टि किए गए कैंसर रोगियों को मौजूदा सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, जिससे उन्हें कैंसर उपचार और प्रतिपूर्ति सुविधाओं तक पहुंच मिल सके। यह दृष्टिकोण रोगियों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ को काफी कम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे जेब से होने वाले खर्चों का बोझ कम हो। इसके अलावा, यह परियोजना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक बढ़ाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी रोगियों को उनकी जरूरत की देखभाल मिले। यह सहयोग एनटीपीसी बंगाईगांव की सीएसआर पहलों में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो अपने समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह परियोजना कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची सात, उप-धारा (एक) और 2024-25 के लिए सीपीएसई सामान्य विषय, *स्वास्थ्य और पोषण* के अनुरूप है, जैसा कि सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा निर्धारित किया गया है। यह सतत विकास लक्ष्यों एसडीजी 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) और 17 (लक्ष्यों के लिए साझेदारी) में भी योगदान देता है।

संपादकीय

'जातिवाद' का अनर्गल अलाप

मिस इंडिया, बॉलीवुड, ओलंपिक खिलाड़ी एवं क्रिकेटर, उद्योगपति, मीडिया और न्यायपालिका आदि में आरक्षण लागू नहीं होता। इन क्षेत्रों का सरकार और आरक्षण से क्या लेना-देना है? वे अधिकतर गैर-सरकारी क्षेत्र हैं। नौकरशाही और सरकारी न्यायपालिका में आरक्षण कुछ हद तक लागू होता है। 'मिस इंडिया' सौंदर्य, फैशन और बौद्धिकता के संगम का खुला मंच है। यदि दलित, आदिवासी, पिछड़े ऐसी प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, तो एक दिन 'मिस इंडिया' ही नहीं, 'मिस वर्ल्ड' और 'मिस यूनिवर्स' के ताज भी पहन सकती हैं। रीता फारिया पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं, जिन्होंने 1966 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीता था। वह सवर्ण नहीं थीं, बल्कि घोर अल्पसंख्यक 'पारसी' समुदाय की थीं। इस समुदाय की आबादी आज भी एक लाख से कम है। किसी ने आज तक सवाल नहीं किया कि रीता ने ऐसी अभूतपूर्व और अंतरराष्ट्रीय सफलता कैसे अर्जित की? ओलंपिक पदक विजेता हॉकी टीम में अक्सर सिख और जाट समुदाय के खिलाड़ी ज्यादा खेलते हैं। वे अल्पसंख्यक और ओबीसी हैं। ओडिशा के आदिवासी खिलाडि़यों ने भी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेली है। दुनिया उनके बेमिसाल खेल को जानती है। उन्हें दलित, ओबीसी, आदिवासी के आधार पर टीम में शामिल नहीं किया गया। वे सक्षम, बेजोड़ खिलाड़ी रहे हैं, लिहाजा भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। बॉलीवुड रचनात्मक चेहरों का विशाल और व्यापक समंदर है। रचनात्मक प्रतिभा बड़ी दुर्लभ होती है। किसी को आरक्षण के जरिए अभिनेता, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, कैमरामैन आदि नहीं बनाया जा सकता। अलबत्ता लगातार अभ्यास और प्रशिक्षण से प्रतिभाएं निखर भी उठती हैं। एनएसडी और पूना फिल्म इंस्टीट्यूट इसके विरले उदाहरण हैं। बॉलीवुड के समंदर में दलित, पिछड़े, आदिवासी भी होंगे! राहुल गांधी कैसे दावा कर सकते हैं कि वहां इन जातियों के चेहरे नहीं हैं? मीडिया का हुनर और रचनात्मक कौशल भी भिन्न है। हर आदमी यह काम नहीं कर सकता। जोखिमों से खेलना पड़ता है और एक अच्छा लेखक भी बुनियादी कुशलता है। हम असंख्य दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को जानते हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय मीडिया में बुलंदियां छुई हैं। उनमें कुछ संपादक भी रहे हैं। उद्योगपति ऐसे क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं, जिन्हें औद्योगिक साम्राज्य विरासत में मिले हैं और उन्होंने अपने ज्ञान, मार्केटिंग, मेहनत, निवेश से अपने साम्राज्य का विस्तार किया है। कइयों ने निजी प्रयास से औद्योगिक कंपनियां स्थापित की हैं। उद्योग निजी क्षेत्र है, जिसमें आबादी के अनुपात के आधार पर आरक्षण नहीं है और न ही दिया जा सकता है। दलित, पिछड़े, आदिवासी जो प्रगति कर चुके हैं और शहरों में अच्छी नौकरी करते हैं, वे शेयर बाजार में अच्छा-खासा निवेश करते हैं और लाखों रुपए कमा रहे हैं। राहुल गांधी की 'रिसर्च टीम' ने उन्हें ऐसे तथ्य नहीं बताए। सवाल है कि क्या किसी को आरक्षण के आधार पर उद्योगपति या किसान तक भी बनाया जा सकता है? कदापि नहीं। दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आजकल 'जातीय जनगणना' का जुनून सवार है। वे सिर्फ 70 फीसदी या 90 फीसदी आबादी की भागीदारी की बात कर सकते हैं। कांग्रेस ने तो करीब 55 साल देश पर शासन किया है। तब उसने 'जातीय भागीदारी' को सुनिश्चित क्यों नहीं किया? राहुल और अखिलेश से ही पूछ लिया जाए कि यदि देश में 'जातीय जनगणना' करवा ली जाए, तो आप उसे क्रियान्वित कैसे करेंगे? आजकल 'जातीय अनर्गल अलाप' करना खासकर उन दोनों की राजनीति है। यह सोच और नीति निजी क्षेत्र या निजी प्रतिभा, निजी निवेश और अनुसंधान पर लागू कैसे हो सकती है।

> नौकरशाही और सरकारी न्यायपालिका में आरक्षण कुछ हद तक लागू होता है। 'मिस इंडिया' सौंदर्य, फैशन और बौद्धिकता के संगम का खुला मंच है। यदि दलित, आदिवासी, पिछड़े ऐसी प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, तो एक दिन 'मिस इंडिया' ही नहीं, 'मिस वल्ड' और 'मिस यूनिवर्स' के ताज भी पहन सकती हैं। रीता फारिया पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं, जिन्होंने 1966 में 'मिस वल्ड' का खिताब जीता था। वह सवर्ण नहीं थीं, बल्कि घोर अल्पसंख्यक 'पारसी' समुदाय की थीं। इस समुदाय की आबादी आज भी एक लाख से कम है। किसी ने आज तक सवाल नहीं किया कि रीता ने ऐसी अभूतपूर्व और अंतरराष्ट्रीय सफलता कैसे अर्जित की? ओलंपिक पदक विजेता हॉकी टीम में अक्सर सिख और जाट समुदाय के खिलाड़ी ज्यादा खेलते हैं। वे अल्पसंख्यक और ओबीसी हैं। ओडिशा के आदिवासी खिलाडि़यों ने भी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेली है। दुनिया उनके बेमिसाल खेल को जानती है। उन्हें दलित, ओबीसी, आदिवासी के आधार पर टीम में शामिल नहीं किया गया। वे सक्षम, बेजोड़ खिलाड़ी रहे हैं, लिहाजा भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की

सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

ललित गर्ग

> सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है।

भारतीय नौकरशाही संरचना के प्रभावी एवं परिणामकारी प्रदर्शन को निश्चित रूप से लेटरल एंट्री प्रक्रिया के साथ पूरक किया जा सकता है। लेटरल एंट्री नई बाहरी प्रतिभाओं को लाकर, सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है। इसके लिये वर्तमान नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो कदम उठाया है, उस पर राजनीति करने करने की बजाय उसमें देशहित को सामने रखा जाना चाहिए। वैश्वीकरण ने शासन के काम को अत्यंत जटिल बना दिया है और यही वजह है कि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता और कौशल की मांग पहले से बहुत अधिक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में थिंक-टैंकों की आवश्यकता के मद्देनजर तथा अन्य ऐसे विभागों में जहाँ विशिष्ट प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की जानी प्रांसगिक एवं उपयोगी कदम है।

संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव की भूमिकाओं के लिए प्रतिभाशाली, कार्यक्षम और दक्ष भारतीय नागरिकों से 45 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करके सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का स्वागतयोग्य एवं सराहनीय प्रयोग कर रहा है। भले ही इस मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों में विरोध के स्वर देखने को मिल रहे हैं। वैसे भी ऐसे राजनीतिक लोगों एवं दलों की आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। विपक्षी दलों विशेषतः कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की है। जबकि भारत में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री का तात्पर्य सरकार के मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर पेशेवरों एवं प्रतिभाशाली कर्मियों की भर्ती से है। जिसमें प्रतिभाशाली एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य विशिष्ट कौशल और

विशेषज्ञता लाना है जो पारंपरिक नौकरशाही ढांचे में उतनी प्रभावी प्रतीत नहीं हो रही है। कई संभावित और अच्छे प्रशासक हैं जो अपनी कम उम्र के दौरान सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग नहीं लेते हैं। लेटरल एंट्री उन्हें शासन तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। नया भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत निर्मित करने में इन प्रतिभाओं का उपयोग होना राष्ट्र में एक नयी रोशनी का अवतरण हो सकता है।

देखा यह गया है कि जब भी ब्यूरोक्रेसी में सुधार की चर्चा होती है, तो इसका विरोध होने लगता है, जो विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ-साथ संकीर्ण राजनीति का द्योतक हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों की ओर से जिस तरह लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई जा रही है, वह यही बताती है कि नकारात्मक राजनीति की जा रही है। यह आश्चर्जनक है कि ऐसे देश-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के निर्णयों एवं मुद्दों का विरोध करने की राजनीति की कमान राहुल गांधी अपने हाथ में लेते हुए दिख रहे हैं। कम से कम उन्हें तो इससे बचना चाहिए, क्योंकि राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वित्त सचिव के रूप में मनमोहन सिंह की नियुक्ति लेटरल एंट्री ही थी और वह भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के। भारत में लेटरल एंट्री कोई नई बात नहीं है। पहले भी भारत में इसका फायदा उठाया जा चुका है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की नियुक्ति लेटरल एंट्री से ही की जाती रही है। पूर्व आर्थिक सलाहकार मोंटेक सिंह अहलूवालिया, आधार की नींव रखने वाले नंदन नीलेकणि जैसी बड़ी हस्तियां इसी के जरिए प्रशासन में शामिल हुईं। यह व्यवस्था तदर्थ आधार पर की गई है, यह संस्थागत नहीं है। लेटरल एंट्री की व्यवस्था सिर्फ भारत में ही है। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे पश्चिमी देशों में पहले से ही सभी क्षेत्रों के योग्य कर्मियों के लिए विशिष्ट सरकारी पदों को खोल दिया है। यह नौकरी के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को आकर्षित करने का एक बेहतर तरीका पाया गया है।

स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। इसके विपरीत वर्तमान सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत लेटरल एंट्री कर रही है। इसी कारण इसकी जिम्मेदारी संघ लोक सेवा आयोग को दी गई है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को यह भी पता होना चाहिए कि लेटरल एंट्री के जरिये जो नियुक्तियां की जा रही हैं, वे अस्थायी हैं। ये नियुक्तियां केवल तीन वर्ष के लिए हैं और उनमें अधिकतम दो वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। प्रशासन में सुधार की हर पहल को आरक्षण से जोड़ना केवल यही नहीं बताता कि वोट बैंक की सस्ती राजनीति अनियंत्रित हो रही है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि आरक्षण को हर मर्ज की दवा मान लिया गया है। यह ठीक नहीं कि होनी को अनहोनी बनाने का प्रयत्न हो।

वैसे लेटरल एंट्री राष्ट्रहित का मुद्दा है। जिस पर 2002 की संविधान समीक्षा आयोग ने भी सिफ़ारिश वकालत की। मनमोहन सिंह के समय 2005 की द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए एक संस्थागत और पारदर्शी प्रक्रिया की सिफारिश की। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। नीति आयोग ने अपने तीन-वर्षीय कार्य एजेंडा में लेटरल एंट्री के विचार का समर्थन किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि लेटरल एंट्री से विशेष ज्ञान और प्रशासनिक कौशल को शामिल करके शासन में सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। शासन में सचिवों का क्षेत्रीय समूह ने भी लेटरल एंट्री प्रणाली का समर्थन किया। यह तर्क दिया गया कि लेटरल एंट्री प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को पेश करके सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया सकता है और उसे उच्च परिणामकारी बनाया जा सकता है। विरोध के लिये विरोध करने की सोच एवं उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक नीति के द्वारा किसी का भी हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होती।

दृष्टि कोण

सजा बढ़ाने से नहीं रुकेंगी रेप की घटनाएं

मैं अपने भारत देश की बात कर रही हूं। हमारा मंत्र है : 'मातृवत परदारेषु'। हम मां को प्रथम आचार्य मानते हैं और प्रथम गुरु भी। वर्ष में दो बार कन्या पूजन करते हैं और रक्षाबंधन भी सांस्कृतिक त्योहार है। कोई भी शुभ कार्य करना हो तो पहले कन्या पूजन करते हैं। वैष्णो देवी के दरबार में सुबह-शाम की आरती के बाद किस प्रकार कंजकों अर्थात बच्चियों का पूजन होता है और देखने वाले कितनी श्रद्धा से देखते हैं, यह भी पूरा देश जानता है। फिर भी उसी भारत देश के राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यह आंकड़े दे रहा है कि भारत में एक दिन में औसतन 87 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। अंग्रेजी में रेप कह देते हैंए शायद वास्तविकता को छिपाने के लिए। इसके साथ ही भारत की राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस द्वारा दी जानकारी के अनुसार एक दिन में पांच और छह के लगभग महिलाएं, बालिकाएं दरिंदगी का शिकार होती हैं। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्षों के मुकाबले रेप के मामलों में 13.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह स्वयं में ही लज्जाजनक समाचार है। व्यक्ति की नहीं, राष्ट्र के लिए भी शर्म की बात है। ताजा आंकड़ों के अनुसार राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के बाद दिल्ली में ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। केवल अगस्त के महीने में दक्षिण, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम भारत के सभी भागों में भारत की बेटियां बलात्कार का शिकार हुईं। बंगाल के कलकत्ता में डाक्टर के साथ अस्पताल परिसर में ही जो दरिंदगी हुई, उसके लिए पूरे देश का डाक्टर आंदोलन कर रहा है, सुरक्षा की मांग कर रहा है। पीड़िता के लिए न्याय की बात कही जा रही है और इस हड़ताल के कारण देश के गरीब ही दुखी हुए। बेटी को न्याय मिले, सब चाहते हैं, पर गरीब के बच्चे अस्पताल की दहलीज से बिना इलाज करवाकर तड़पते वापस आ जाएं, यह कोई नहीं चाहता। मेरा एक प्रश्न है कि जो गुस्सा, जो विरोध प्रदर्शन, जो राजनीतिक दूषणबाजी बंगाल की डाक्टर के लिए हो रही है, उसके शोर में हमारे नेता, पक्ष और विपक्ष के सत्तापति उन दुर्घटनाओं को क्यों नहीं देख-सुन रहे जहां एक दर्जन से ज्यादा बेटियां इस कामवासना के अंधे पुरुषों की पशुवृत्ति का शिकार हुईं। कहीं यह कोई राजनीतिक हित की पूर्ति तो नहीं हो रही? यह तो एकदम ताजी घटना है कि ठाणा जिला महाराष्ट्र के एक स्कूल में स्कूल के ही कर्मचारियों ने दो बच्चियों के साथ यौन शोषण का अपराध किया। जैसे ही माता-पिता को पता चला, पुलिस भी हरकत में आई। अपराधी गिरफ्तार भी हो गया, लेकिन दो दिन पहले वहां ऐसा प्रदर्शन हुआ जिसमें स्कूल भवन भी तोड़ दिया गया, रेल ट्रैक जाम कर दिया, हजारों व्यक्ति क्रोध से उबलते हुए सडक़ों पर आए। पुलिस से टकराव भी हो गया। गुस्सा होना ही चाहिए। बेटियों के साथ इस पशुवृत्ति को रोकना ही होगा, पर आखिर कब तक यह सब होता रहेगा? इसी सप्ताह पंजाब की एक लडक़ी क्यों और कैसे उत्तराखंड के देहरादून में एक बस में शायद रात के समय पहुंची और बस के ड्राइवर, कंडक्टर आदि पांच पुरुषों की शिकार हुई। ऐसी जानकारी मिली है कि उसकी आयु से कई वर्ष बड़े वे बलात्कारी थे। उसके पिता की आयु से भी बड़े, बड़े भाई से भी बड़े। एक व्यक्ति तो 57 वर्ष की आयु का था और सबसे छोटा 34 वर्ष का। अब प्रश्न यह है कि क्या लडक़ी उन्हें अपनी वासनापूर्ति का साधन दिखाई देती है? उसको संरक्षण देने की बात, उसे उसके ठिकाने पहुंचाने की बात किसी के मन में नहीं आती? आखिर ऐसी अपराध वृत्ति देश के इन पुरुषों में क्यों पैदा हो गई? एक नहीं अनेक घटनाएं अगस्त की हैं। बैंगलोर के एडीशनल पुलिस कमिश्नर रमन गुप्ता ने भी बताया कि एक लडक़ी जो रात को घर लौट रही थी, वह किसी से लिफ्ट मांगने का अपराध कर बैठी और फिर लूटी गई। तमिलनाडु के एक स्कूल में नाबालिग छात्राओं के साथ यौन उत्पीडऩ किया गया। एक छात्रा के साथ यौन शोषण भी हुआ। यह सारा दुष्कर्म एक फर्जी एनसीसी कैंप के दौरान किया गया। पुलिस ने स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के त्रिची में दस वर्षीय मासूम का यौन शोषण हुआ। राजस्थान के जोधपुर से तीन वर्षीय बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आया है। कूड़ा बीनने वाले परिवार की बच्ची उठाकर ले गए और अपनी हवस का शिकार बनाया। अभी ताजी घटना है। अमृतसर के एक होटल में लुधियाना से लाई गई बच्ची की भी यही किस्मत रही। यह ठीक है कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। गिरफ्तारी भी हो गई, पर जो चोट इन बेटियों को सहनी पड़ी, उसका उपचार कभी नहीं हो सकेगा। घटनाएं तो इस समय भी हो रही होंगी, जब यह संदेश लिखा जा रहा है देश को पहुंचाने के लिए, पर इसका हल क्या है? जो समर्थ लोग हैं, उन्हें अपना रंग-ढंग बदलना होगा। यहां फैशन मेले होते हैं।

कुछ अलग

जनों में जन, पशुजन

मैं अपने मुहल्ले की पल पल की अपने घर से लेटा ही खबर रखने का हुनर रखता हूं। मुहल्ले की ऐसी कोई हरकत नहीं जिसकी मुझे खबर न हो। इसलिए समझदार मुहल्ले वाले मुझे मुहल्ले का खबरूद्दीन भी कहते हैं। मुहल्ले को जिस खबर की जरा सी भी खबर नहीं होती, मुझे उसकी खबर से अधिक होती है। कल मुहल्ले में जैसे ही मास्साब ने इंट्री मारी और मरियल से मरियल कुत्ते भौंकने लगे तो मैं तुरंत जान गया कि मुहल्ले में कोई गलत आदमी प्रवेश कर गया है। अब पता नहीं कुत्ते ऐसा क्यों करते हैं कि जब भी मुहल्ले में गलत नियत का बंदा प्रवेश करता है कि मरियल से मरियल कुत्ता भी भौंकना शुरू कर देता है। अबके फिर कुत्तों का भौंकना सही निकला। देखा तो मास्टर जी कंधे पर झोला लटकाए सामने। राम सलाम के बाद मैंने मास्टर जी से पूछा, 'मास्साब! आज फिर स्कूल के बदले यहां?' उन्हें आता देख उनकी बिरादरी की कृपा से बारह पास बीवी ने सुबह की बची चाय उनके लिए कप में डाली। 'क्या करें भाई साहब! सरकार ने कंधे पर गणना का ऐसा झोला लटका दिया है कि...।' 'तो अबके किसकी गिनती आए हैं जनाब? लकड़बग्घों की?' 'नहीं भाई साहब! जबसे पशु आदमियों के साथ रहते सुधरने लगे हैं और आदमी पशुओं के साथ रहते पशु बनने लगे हैं, तबसे जन तो कोई सोसाइटी से लेकर सिविल सोसाइटी तक में रहे नहीं। अब तो जहां देखो, बस पशुजन ही पशुजन! इसलिए पशु विभाग को पशुजन की गणना करवानी पड़ रही है।' 'पशुजन बोले तो?' मैं अवाक। अब ये पशुजन कहां से आ गए किस्म किस्म के जनों के बीच? 'पशुजन बोले तो दो पैरों पर चलने वाला जंतु जिसका दिमाग उसकी खोपड़ी की बजाय उसके पैरों में होता है। जिसके सड़े दिमाग पर लाख पेस्टिसाइड डालने के बाद भी ऐसे वैसे कीड़े पड़ जाते हैं जो अड़ोस पड़ोस को नरक बना कर रख देते हैं।' उन्होंने अरस्तू होते कहा तो मेरे स्वस्थ दिमाग में सहसा कीड़े कुलबुलाने लगे, पर मैंने उन्हें जैसे कैसे दबाकर रखा। 'माफ करना! पूछना है तो गलत सा, पर आप बता सकते हैं कि आपके अड़ोस पड़ोस में मुहल्ले में कितने पशुजन हैं? असल में पड़ोसियों को अपने बारे में उतना सटीक पता नहीं होता जितना उनके पड़ोसियों को उनकी रग रग का होता है।' 'पशुजन बोले तो?' 'यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, आदर्श अड़ोस पड़ोस में कितने सांड हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, आदर्श अड़ोस पड़ोस में कितने गधे हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने टट्टू हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने कुत्ते वैगरह हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने सियार हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने भेड़िए हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने...।' 'मतलब तुम ये गिनने आए हो कि आदमी होते हुए भी कितने पशु हैं?' 'जी!' अगर सबसे पहले अपने घर के पशुजन के बारे में बताएं तो कहते मास्साब ने अपना रजिस्टर खोला तो मैंने कहा, 'देखो बंधु! अब आपसे छिपाना क्या! सरकार के पास और कुछ सही हो या न, पर आंकड़े तो कम से कम सही होने चाहिए ताकि विकास अबाध गति से रुका रहे।' 'तो ऐसा करो, मेरा बेटा तो सांड है। सारा दिन बाजार में आवारा घूमता रहता है। कभी इसे सींग मारता तो कभी उसे। उसे कोई पूछने वाला नहीं। मैं भी नहीं। और बीवी! समझ नहीं आ रहा उसे किस पशुजन श्रेणी में रखूं? उसे पशुजन की हर श्रेणी में लिख लो। रही बात मेरी तो मुझे आप गधे की श्रेणी में रख सकते हैं।

देश दुनीया से

ओलंपिक पदक तालिका में सैन्य किरदार

> भारतीय सेना के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय खेलों तथा सबसे बड़े खेल महाकुंभ ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। सेना के खिलाडि़यों का जिक्र किए बिना भारत का खेल इतिहास अधूरा रहेगा। हिंदोस्तान की जिस महान शख्सियत की यौम-ए-पैदाइश को 29 अगस्त के दिन 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है, वह महान हॉकी खिलाड़ी 'मेजर ध्यान चंद' एक सैनिक थे। हाल ही में फ्रांस की राजधानी 'पेरिस' में 2024 ओलंपिक का समापन हुआ है।

जंग का मैदान हो या खेल का, कुश्ती का अखाड़ा हो या सियासत का, अपनी दास्तान-ए-सुजात के मजमून लिखने वाले भारतीय सेना के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय खेलों तथा सबसे बड़े खेल महाकुंभ ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। सेना के खिलाडि़यों का जिक्र किए बिना भारत का खेल इतिहास अधूरा रहेगा। हिंदोस्तान की जिस महान शख्सियत की यौम-ए-पैदाइश को 29 अगस्त के दिन 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है, वह महान हॉकी खिलाड़ी 'मेजर ध्यान चंद' एक सैनिक थे। हाल ही में फ्रांस की राजधानी 'पेरिस' में 2024 ओलंपिक का समापन हुआ है। सौ वर्ष पूर्व सन-1924 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन भी पेरिस में ही हुआ था, जिसमें सेना के खिलाड़ी 'दलीप सिंह ग्रेवाल' ने लंबी कूद स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ब्रिगेडियर दलीप सिंह तथा मेजर ध्यान चंद दोनों खिलाडि़यों का संबंध सेना की 'पंजाब रेजिमेंट' से था। भारतीय हॉकी ने ओलंपिक खेलों में आठ स्वर्ण, एक रजत व चार कांस्य सहित सर्वाधिक 13 पदक जीते हैं। सन-1928 के 'एम्सटर्डम' ओलंपिक में भारतीय हॉकी ने देश के लिए पहला 'स्वर्ण पदक' जीता था। 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक से लेकर 1980 के 'मॉस्को' ओलंपिक तक भारतीय हॉकी की गोल्डन गाथा में मेजर ध्यान चंद, कैप्टन रूप सिंह, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह, कर्नल जसवंत गिल, मेजर शांता राम, कर्नल हरिपाल कौशिक, कैप्टन शंकर लक्ष्मण, ग्रुप कैप्टन रघबीर सिंह, सूबेदार हरदयाल सिंह, नंदी सिंह व वीजे पीटर जैसे सेना के दिग्गज ओलंपियन खिलाडि़यों का बेहद अहम योगदान था। एशियाई व कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा तीन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले मशहूर धावक कैप्टन 'मिल्खा सिंह' 'द फ्लाइंग सिख' ने भारतीय सेना 'ईएमई' में भर्ती होकर ही अपने खेल जीवन की शुरुआत की थी। सन-2004 के 'एथेंस' ओलंपिक में 'डबल ट्रैप स्पर्धा' में भारत के लिए एकमात्र पदक 'रजत' सेना के कर्नल 'राज्यवर्धन सिंह राठौर' 'ग्रेनेडियर्स' ने ही जीता था। हिमाचल प्रदेश के कैप्टन विजय कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' ने 2012 के लंदन ओलंपिक में शूटिंग में 'रजत' पदक जीता था। 2020 के टोक्यो ओलंपिक में 'जैवलिन थ्रो' में 'स्वर्ण पदक' तथा 2024 पेरिस ओलंपिक में 'रजत पदक' विजेता 'नीरज चोपड़ा' को सेना ने सन-2016 में 'राजपूताना राइफल्स' में 'जेसीओ' रैंक में कमीशन देकर उनकी खेल प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालिया पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 एथलीटों में 24 खिलाड़ी सशस्त्र बलों के थे। तीन हजार मीटर स्टीपल चेज के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सूबेदार 'अविनाश सावले' तथा बॉक्सर 'अमित पंघाल' 'महार रेजिमेंट' में सेवारत हैं। सेना की महिला खिलाड़ी 'जैस्मीन लाम्बोरिया' 'बाक्सिंग' 'सीएमपी' में हवलदार है। पहलवान 'रितिका हुड्डा' 'कुश्ती' भारतीय नौसेना में सेवारत हैं। भारतीय खेलों का वो भी एक दौर था जब एशियाई व कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतने वाले कैप्टन उदय चंद, कैप्टन लीलाराम, कैप्टन मुख्तियार सिंह, सूबेदार देवी सिंह, विश्वनाथ सिंह तथा चंदगी राम जैसे सेना के दिग्गज पहलवानों ने ओलंपिक खेलों में कई देशों के पहलवानों को चुनौती पेश करके भारतीय कुश्ती का इकबाल बुलंद किया था। भावार्थ यह है कि दशकों पूर्व जब देश गुरबत से जूझ रहा था, खिलाड़ी खेल सुविधाओं से वंचित थे, उस वक्त मेजर ध्यान चंद व बलबीर सिंह सीनियर जैसे दिग्गज खिलाडि़यों ने ओलंपिक महाकुंभ में हॉकी की 'गोल्डन हैट्रिक' लगाकर विश्व खेल पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया था। वर्तमान में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडि़यों को सशस्त्र बल, रेलवे तथा राज्य सरकारें भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। सिंथेटिक ट्रैक व एस्ट्रोटर्फ जैसी आधुनिक खेल सुविधाएं मुहैया करवाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के बेहतर व महंगे विदेशी कोच भी उपलब्ध हैं। खिलाडि़यों के विकास के लिए प्रतिबद्ध 'खेल महासंघ' स्थापित किए गए हैं। खेल उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सन-1984 में 'भारतीय खेल प्राधिकरण' की स्थापना की गई है। केंद्र सरकार तथा राज्यों में खेल मंत्रालय मौजूद हैं। देश में कई निजी खेल अकादमियां खिलाडि़यों को प्रशिक्षित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। खेल प्रशिक्षण पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विश्व की 18 प्रतिशत आबादी की हैसियत रखने वाले भारत का ओलंपिक महाकुंभ में खेल प्रदर्शन सम्मानजनक नहीं रहा है। गुरबत से जूझ रहे कीनिया, जमैका व इथोपिया जैसे देशों के खिलाडि़यों ने 'ट्रैक एंड फील्ड' स्पर्धाओं में अमरीका व ब्रिटेन जैसे देशों की बादशाहत को चुनौती दे डाली है। युद्ध से जूझ रहे इजरायल व यूक्रेन जैसे देशों के खिलाड़ी भी ओलंपिक में पदक जीत रहे हैं। एक सौ पचास करोड़ की आबादी वाले भारत में खेल प्रतिभाओं की खेल क्षमता में कमी नहीं है, लेकिन ओलंपिक जैसे वैश्विक खेल पटल पर तिरंगा फहराने के लिए खिलाडि़यों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खेल प्रतिभाओं के खेल हुनर का सामना करना पड़ता है। चैंपियन बनने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी से पूरी शिद्दत, जुनून व जज्बे से जूझना पड़ता है। अतः कड़ी मेहनत, उच्च दर्जे के खेल प्रशिक्षण के साथ खिलाडि़यों को मानसिक तौर पर भी मजबूत होना पड़ेगा। शारीरिक फिटनेस के साथ प्रोत्साहन, प्रेरणा व इच्छाशक्ति बहुत मायने रखते हैं।

आप का नजरीया

यहां कानून साहसी नहीं

मुख्य संसदीय सचिव शहरी विकास एवं शिक्षा आशीष बुटेल में सियासी दम है कि वह अपने विभाग के ही प्रस्ताव को कूड़े की टोकरी में तब तक सुला सकते हैं, जब तक राजनीति ऐसे गढ़े मुर्दों को बाहर न निकाले। अभी दो दिन पहले के प्रस्ताव ने जन्म भी नहीं लिया कि पालमपुर के विधायक को अपने ही विभाग पर शक हो गया। विभाग पालमपुर नगर निगम की अगली सदी को सुनिश्चित करते हुए 76 राजस्व गांवों को नगर एवं ग्राम योजना कानून के तहत लाने की रूपरेखा बनाने लगा था। यह माननीय विधायक का वादा है कि उनकी सरहद में उन्हीं के विभाग का ऐसा प्रस्ताव पर नहीं मार सकता। यह इसलिए कि जनता योजना से डरती है, अपने विस्तार और विकास से नहीं। क्योंकि जनता रूठ न जाए, इसलिए कानून बनाने वाले भी इनके कार्यान्वयन से डरते हैं। शहरी विकास है क्या, अगर इस मानसिकता को पढ़ा जाए, तो हिमाचल का हर गांव अब एक शहर है। गांव की शहर बनने की अभिलाषा में पूरा हिमाचल धड़ाधड़ निर्माण कर रहा है। हर सडक़ पर निर्माण की प्रतिस्पर्धा ने छीन लिए प्रकृति के पैगाम-प्रकृति के आयाम, घाटियां लील कर हम चबूतरे हो गए, लेकिन छत से टकराती छत को सुकून का आशियाना न मिला। अगर नवनिर्माण के औचित्य में इनसानी जरूरतों का विश्लेषण किया जाए, तो मालूम होगा कि हम प्राकृतिक संसाधनों के प्रति कितने लापरवाह हैं। हम प्रदेश को अस्त-व्यस्त देखना चाहते हैं, इसलिए हमारी औकात ही नहीं कि नगर नियोजन को समझा जाए। हम शहर में रेंगना चाहते हैं, गांव में भौकाल को जगाना चाहते हैं। जाहिर है 76 राजस्व गांवों के पंचायत चुनाव बुटेल जी की सियासत में माथापच्ची बढ़ा दें या वह अनुमति दे भी दें, तो विपक्ष के हारे हुए प्रत्याशी को सहानुभूति दर्शाने का यही सुराग मिल जाए। उनके लिए पर्यटक गांव बसाना आसान हो सकता है, इसलिए कृषि विश्वविद्यालय से वह 120 हेक्टेयर जमीन ले सकते हैं। हमारे विकास के रथ अब ऐसे घोड़ों पर सवार हैं जो घास नहीं, घोषणा खाते हैं। लिहाजा कानून से बड़ी घोषणा होनी चाहिए। सरकार कोई भी हो, कानून कभी बड़ा नहीं होता है, होती है तो घोषणा ही महान। इसलिए 76 गांवों का भविष्य टीसीपी कानून तय नहीं कर पाएगा, लेकिन इसके दायरे को निरस्त करने की घोषणा सहज स्वीकृत हो जाएगी। कुछ ऐसी ही घोषणाएं कानून के पर्दे हटाने के लिए काफी हैं। हम घोषणाओं में सफर करने का समाज बन चुके हैं। हम वर्षों से वन महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन बरसात के बाद वसंत को मालूम नहीं कि बहार आई किन पौधों पर। हम पार्किंग सुविधाओं की घोषणाओं पर पालमपुर को मुकर्रर करते हैं, लेकिन वाहनों के कीड़े सडक़ों पर डटे हैं। यहां कानून साहसी नहीं, बल्कि उसके सामने निडर होकर खड़े रहने वाला साहसी है। अगर ऐसा न होता तो पहाड़ यूं ही कटते नहीं, खड्डें रेत को तरसती नहीं और घर की नींव तक पहुंचे माफिया के सामने हम बिकते नहीं। हमारी घोषणाएं नए भवन, नई इमारतें और नए कार्यालय खोल सकती हैं, लेकिन सेल्फी प्वाइंट पर उगी घास हम नहीं उखाड़ सकते। लावारिस गोवंश अगर डीसी कार्यालयों तक पहुंच कर भी आवारा घोषित नहीं, तो कमाल का सुशासन हमारी आंखों के सामने दौड़ता है। वन वे ट्रैफिक रूल को तोडऩे वालों के साहस को दुहाई दें या बढ़ते पुलिस जिलों के मुखियाओं को सलाम कर दें।

सैलजा को भावी मुख्यमंत्री घोषित कर दलित हितैषी होने का प्रमाण दें राहुल गांधी : हरियाणा भाजपा

कांग्रेस अध्यक्ष ने किया पलटवार : कहा, क्या राजस्थान व मध्य प्रदेश में भाजपा ने घोषित किया था चेहरा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस में मची अंदरुनी कलह के बीच जातिवाद के मुद्दे पर बड़ा दांव चला है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाना साधते हुए कुमारी सैलजा को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने की मांग उठाई है। कांग्रेस ने भी इस पर पलटवार कर भाजपा से पूछा कि क्या भाजपा ने राजस्थान व मध्य प्रदेश में चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया था। भारतीय जनता पार्टी के इस ट्वीट के बाद प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भाजपा से अधिक कांग्रेस में इसकी चर्चा हो रही है। हरियाणा में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर *जंग* चल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा उनके सांसद पुत्र दीपेंद्र सिंह हुड्डा को भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में माना जाता है। इस बार के चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं। इसके अलावा पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव भी अहीरवाल की चौधर का नारा देते रहे हैं। कुमारी सैलजा के समर्थन में पहले ही प्रदेश के कई जिलों में मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग करने वाले बैनर लग चुके हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा इकाई ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट कर राहुल गांधी को लेकर भी कटाक्ष किया है। भाजपा ने अपनी पोस्ट में लिखा- *राहुल गांधी एससी वर्ग का खूब पक्ष रख रहे हैं। भाजपा ने तो पिछले वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। राहुल गांधी, कुमारी सैलजा को हरियाणा से मुख्यमंत्री प्रत्याशी घोषित करें ताकि पता चले कि वे समाज के कितने शुभचिंतक हैं।* भाजपा की यह पोस्ट दिनभर राजनीतिक व प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का विषय बनी रही। कांग्रेस ने भाजपा की इस पोस्ट पर पलटवार किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान ने भाजपा की पोस्ट पर सवाल दागते हुए कहा कि क्या भाजपा ने राजस्थान और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री का चेहरा पहले घोषित किया था। क्या भाजपा ने वर्ष 2014 में मनोहर लाल को हरियाणा का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। ऐसे में कांग्रेस क्यों पहले मुख्यमंत्री नाम का ऐलान करे। भाजपा विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद का चेहरा पहले ही घोषित कर चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी हरियाणा दौरे व पंचकूला में हुई पदाधिकारियों की बैठक में स्पष्ट तौर पर कह चुके हैं कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़े जाएंगे और वही मुख्यमंत्री का चेहरा भी होंगे। भाजपा इससे पहले वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में बिना चेहरा घोषित किए चुनावी मैदान में उतरी थी।

एनआईसीडीपी में जोधपुर-पाली को शामिल करने पर प्रधानमंत्री का आभार : शेखावत

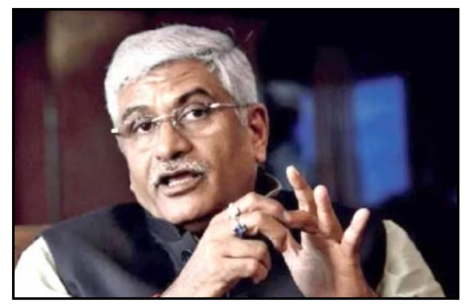

जयपुर/जोधपुर (हिंस)। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम में (एनआईसीडीपी) जोधपुर-पाली को शामिल करने पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। शेखावत ने कहा कि जोधपुर-पाली के लिए यह खुशखबरी है और जोधपुर क्षेत्र के विकास को नए पंख मिलने जा रहे हैं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने एनआईसीडीपी के तहत 28,602 करोड़ के निवेश के साथ 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें जोधपुर-पाली शामिल है। प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मोदी की आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की अभूतपूर्व और परिणामदायी नीतियों में एनआईसीडीपी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत *इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटीज* निर्माण में राजस्थान से *जोधपुर-पाली* को शामिल किया जाना क्षेत्र के समस्त नागरिकों के जीवन स्तर में शानदार सुधार लेकर आने वाला निर्णय साबित होगा। शेखावत ने कहा कि एनआईसीडीपी को बड़े एंकर उद्योगों और एमएसएमई, दोनों से निवेश की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत औद्योगिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ये औद्योगिक नोड साल 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात प्राप्त करने के लिए कैटलिस्ट के रूप में कार्य करेंगे, जो सरकार के आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत के विजन को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि नए औद्योगिक शहरों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्हें *प्लग-एन-प्ले* और *वॉक-टू-वर्क* सिद्धांत पर *मांग से पहले* बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं की मंजूरी *विकसित भारत*- एक विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है।

महंत रामगिरी महाराज के विरोध में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

मेरठ (हिंस)। महंत रामगिरी महाराज की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने ज्ञापन देकर महंत रामगिरी को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग उठाई। एआईएमआईएम मेरठ के महानगर अध्यक्ष इमरान अंसारी एवं जिलाध्यक्ष फहीम चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलक्ट्रेट में इकट्ठा हुए। उन्होंने कहा कि महंत रामगिरी महाराज ने मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी की है। इसलिए उनकी अविलंब गिरफ्तारी की जाए। 14 अगस्त को नासिक महाराष्ट्र में महंत रामगिरी महाराज द्वारा मोहम्मद साहब की शान में विवादित ब्यान व अपशब्द बोले गए।

वर्तमान समय में सनातन और भारतीय संस्कृति को खतरा : विश्व हिंदू परिषद

जयपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के षष्ठी पूर्ति वर्ष और स्थापना दिवस पर सांगानेर श्योपुर के विद्यासागर स्कूल में कार्यक्रम हुआ। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति को बचाना जरूरी है, वर्तमान समय में देश की एकता अखंडता पर खतरा बना हुआ है। अमितोष ने कहा कि विशेष कर हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं जिहादियों द्वारा मां बहनों की अस्मत को लूटा जा रहा है, मंदिरों को तोड़ा व लूटा जा रहा है ऐसे में हिंदू समाज को एक होकर जागरूक होना ही पड़ेगा। विहिप सांगानेर जिला मंत्री विष्णु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बालक-बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए, भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में विहिप सांगानेर जिला अध्यक्ष रमेश शर्मा, उपाध्यक्ष बबीता शर्मा, जिला मंत्री विष्णु शर्मा, देवकीनंदन शर्मा, सार्थक सैन,धीरज, सरिता चौधरी, विष्णु शर्मा, सीके शर्मा, कपिल लाटा,

रामरतन साहु, वृद्धि चंद्र शर्मा, जगदीश पटेल, मोतीलाल मीणा, एमके शर्मा उपस्थित रहे।

जयपुर (हिंस)। गौ, गंगा, गीता, गायत्री एवं गुरुकुल को समर्पित सर्वमंगलाए सनातन धर्म फाउंडेशन द्वारा आगामी 6 सितंबर को जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल महापुरा जयपुर में होने जा रहे सनातन जयघोष समारोह के पोस्टर का विमोचन करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि यह हम सब का सौभाग्य है कि सबका मंगल करने वाले सनातन धर्म का देश विदेश में प्रचार करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संत चिदानंद सरस्वती महाराज परमार्थ निकेतन ऋषिकेश से जयपुर पधार रहे हैं। फाउंडेशन के संस्थापक योगाचार्य योगी मनीष, समारोह आयोजन समिति के सलाहकार आनंद कृष्ण कोठारी, संयोजक अजय गुप्ता, समन्वयक राकेश गर्ग द्वारा उप मुख्यमंत्री को फाउंडेशन के उद्देश्यों और कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की गई इस अवसर पर रघुनंदन वशिष्ठ, मनीष मालू एवं गोविंद अग्रवाल भी सम्मिलित रहे। घर-घर योग, गीता, गौ सेवा एवं अग्निहोत्र पहचाने के लिए कार्य करेगा फाउंडेशन फाउंडेशन के संस्थापक योगाचार्य योगी मनीष ने कहा कि घर-घर योग, घर-घर गीता, घर-घर अग्निहोत्र, घर-घर सात्विक भोजन और घर-घर संस्कार पहुंचाने इसके लिए फाउंडेशन वार्ड स्तर पर गठित किया जा रहा है, इन प्रयासों से भारत को विश्व गुरु बनाने में हम सब अपना योगदान दे पाएंगे। सर्वमंगलाए सनातन धर्म फाउंडेशन के आमंत्रण पर जयपुर पधार रहे ऋषिकेश के चिदानंद सरस्वती महाराज देश-विदेश में वर्षों से सनातन संस्कार एवं राष्ट्रवाद के लिए कार्य कर रहे हैं। उनका जयपुर में आना और विद्यार्थियों के साथ प्रबुद्ध नागरिकों को अपने संस्कार और संस्कृति से जोड़ने वाले इस आयोजन के लिए 51 सदस्यीय आयोजन समिति एवं 51 सदस्यीय स्वागत समिति बनाई गई है। आयोजन स्थल पर सीमित बैठक व्यवस्था होने के कारण प्रवेश आमंत्रण पत्र द्वारा ही हो सकेगा।

कांग्रेस की शिकायत पर भर्तियां रुकने से नाराज युवा सड़कों पर उतरे

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में चुनाव आचार संहिता के चलते भर्ती प्रक्रिया रुकने का विरोध करते हुए भाजपा के युवा मोर्चे के युवाओं ने बुधवार को चंडीगढ़ की सड़कों पर उतरकर कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी युवा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुडडा के आवास पर कूच कर रहे थे, लेकिन चंडीगढ़ पुलिस ने उग्र युवाओं को रोकने के लिए पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और लाठीचार्ज किया। इसके बाद बड़ी संख्या में युवाओं को हिरासत में लेकर देरशाम छोड़ दिया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हालही में हरियाणा में भर्तियों को रोकने की मांग की थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग के खिलाफ के प्रदेश के युवाओं में आक्रोश है। सरकार युवाओं को रोजगार देना चाहती है, लेकिन कांग्रेस का भर्ती रोको गैंग इसमें रोड़ा अटका रहा है। कांग्रेस रोजगार के नाम पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव हरीश गुर्जर ने बताया कि कांग्रेस के भर्ती रोको गैंग के खिलाफ युवा सेक्टर-3 में एकत्रित हुए। यहां से उनका कार्यक्रम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास का घेराव करने का था, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। उन्होंने जब आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन पर वाटर कैनन चलाई। भर्ती रोको गैंग के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान युवाओं के गिरफ्तारियां भी दी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मांग है कि भर्तियों के रिजल्ट पर जो रोक लगाई है, उसे हटवाया जाए। साथ ही उन्होंने भाजपा को भी चेताया कि यदि रोक हटने के बाद भर्तियां नहीं होती हैं।

प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा को अणुव्रत पुरस्कार भेंट किया

बीकानेर (हिंस)। अणुव्रत विश्व भारती द्वारा दिये जाने वाले प्रतिष्ठित *अणुव्रत पुरस्कार* वर्ष 2023 के लिए प्रसिद्ध उद्योगपति व समाज सेवी रतन टाटा को मुंबई स्थित उनके आवास पर भेंट किया गया। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के अध्यक्ष अविनाश नाहर के साथ वहां पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने रतन टाटा को पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र सहित 1.51 लाख की राशि भेंट की। इस अवसर पर अणुविभा के महामंत्री भीखम सुराणा, मुंबई कस्टम कमिश्नर अशोक कुमार कोठारी, अणुविभा उपाध्यक्ष विनोद कुमारी व सहमंत्री मनोज सिंघवी उपस्थित थे। अणुविभा अध्यक्ष नाहर ने टाटा को अणुव्रत पुरस्कार सौंपते हुए मानव जाति को उनके सकारात्मक योगदान की प्रशंसा की एवं दुनिया में मानवीयता का एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए सम्पूर्ण अणुविभा परिवार की ओर से बधाई ज्ञापित की। उन्होंने बताया कि अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने टाटा के प्रति अपनी मंगल कामनाएं प्रेषित की हैं व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। टाटा ने अणुव्रत अनुशास्ता के प्रति अपना हार्दिक आदर व सम्मान व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि 75 वर्षों से गतिमान अणुव्रत आंदोलन मानवीय एकता, नैतिकता, अहिंसा व सद्भावना के क्षेत्र में विशद कार्य कर रहा हैं। आचार्य तुलसी द्वारा प्रणीत यह आंदोलन संयुक्त राष्ट्र तक अपनी विशेष पहचान स्थापित कर चुका है। अणुव्रत पुरस्कार की श्रृंखला में अभी तक देश के गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया है, जिनमें आत्माराम, जैनेन्द्र कुमार, शिवाजी भावे, शिवराज पाटिल, नीतिश कुमार, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. मनोहन सिंह, टीएन शेषन, प्रकाश आमटे इत्यादि शामिल है।

इलाज करवाने जयपुर जा रहे लोगों की कार पर सीमेंट से भरा ट्रेलर चढ़ा, चार की मौत

सीकर (हिंस)। रींगस क्षेत्र के नजदीक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। सीमेंट से भरे हुए भारी भरकम ट्रेलर के नीचे कार दब गई। कार में चार लोग सवार थे। उनमें दो महिला और दो पुरुष शामिल थे। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौत हो चुकी है। हादसा बुधवार सुबह रींगस में जयपुर-बीकानेर एनएच-52 पर हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मुश्किल से बाहर निकाला। सभी को रींगस के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कार में सवार चारों लोग झुंझुनूं जिले के प्रतापपुरा के निवासी थे और जयपुर जा रहे थे। रींगस थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतापपुरा के रहने वाले रिटायर्ड फौजी राजकुमार मीणा (45) मां संज्या देवी मीणा (60) को डॉक्टर को दिखाने जयपुर जा रहे थे। कार में उनकी बेटी अर्चना मीणा (22) और भतीजा आजाद (40) भी था। ट्रेलर और कार दोनों जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रेलर कार को पीछे से टक्कर मारते हुए डिवाइडर पर चढ़ गया। यह हादसा इतना भयंकर था कि ट्रेलर के नीचे आने से कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। कार में सवार चारों लोग अंदर फंस गए। क्रेन की मदद से ट्रेलर को हटाकर कार को निकाला गया। पुलिस ने बताया कि मनवार होटल के नजदीक नेशनल हाइवे संख्या 52 पर दुर्घटना हुई। गाड़ी पूरी तरह से पिचक गई है।

विस चुनाव के तहत राजनीतिक दलों को जारी किए जाएंगे रंगीन पास : अभिषेक मीणा

रेवाड़ी (हिंस)। मुख्य निर्वाचन आयोग हरियाणा की ओर से हरियाणा विधानसभा आम चुनाव के तहत स्टार कैंपेनर, पार्टी ऑफिस बेरियर, प्रचार सामग्री वाहन व प्रचार वाहन राजनीतिक पार्टी को रंगीन पास जारी करने का निर्णय लिया है। ऐसा इसलिए कि उनकी पहचान आसानी से की जा सके। यह जानकारी बुधवार को उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने दी। उन्होंने बताया कि राजनीतिक पार्टी को स्टार कैंपेनर.पार्टी ऑफिस बेरियर के लिए लाल, प्रचार सामग्री वाहन हरा तथा प्रचार वाहन के लिए पीला रंग का पास जारी किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आदेश की सख्ती से पालना करने के निर्देश भी दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अभिषेक मीणा के निर्देशानुसार रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रेवाड़ी सुरेंद्र सिंह ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय चांदावास, राजकीय प्राथमिक पाठशाला सहारनवास, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुढ़पुर, राजकीय प्राथमिक पाठशाला बुढ़पुर में बनाए गए पोलिंग बूथ पर पहुंचकर आवश्यक व्यवस्थाएं व प्रबंधों की जांच की और संबंधित अधिकारी व विद्यालय के प्राचार्य को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मदरसे में चल रहे नकली नोट बनाने वाले गैंग का खुलासा

प्रयागराज (हिंस)। प्रयागराज पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार को मदरसे की आड़ में चल रहे नकली नोट बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मौके से उड़ीसा निवासी मौलवी समेत उसके गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही पुलिस ने 1,30,000 रुपए के नकली नोट के साथ अन्य सामान भी बरामद किया है। शहर के अतरसुइया इलाके के एक मदरसे में नकली नोट छापने की फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ है। यह खेल मौलवी की देख-रेख में चल रहा था। पुलिस ने मौलवी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 1,30,000 रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। बुधवार को आरोपियों को पुलिस ने मीडिया के सामने पेश किया। बताया जा रहा है कि यह धंधा काफी दिनों से चल रहा था। यहां से नकली नोट छापकर कई स्थानों पर सप्लाई किए जा रहे थे। अतरसुइया इलाके में स्थित मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिद ए आजम में नकली नोट छापने की फैक्टरी चल रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा तो खलबली मच गई। पुलिस ने मौके से नकली नोट बरामद करते हुए मौलवी मोहम्मद तफ्सीरुल समेत उसके गिरोह के सदस्य मोहम्मद अफजल, मोहम्मद शाहिद और आफरीन को गिरफ्तार कर लिया। मौलवी तफ्सीरुल मूल रूप से उड़ीसा का रहने वाला है। गिरोह का सरगना जहीर खान भी उड़ीसा में मौलवी के ही गांव का है। पुलिस के अनुसार अभियुक्तगण मोहम्मद अफजल पुत्र मोईद अहमद निवासी अंधीपुर रोड गौसनगर थाना करैली प्रयागराज, मोहम्मद शहिद पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी करामात की चौकी थाना करैली को दो गड्डी जिसमें 100-100 नोट के साथ तथा जाहिर खान उर्फ अब्दुल जाहिर पुत्र साजिद खान

निवासी आजाद बस्ती थाना बाशुदेवपुर जनपद भदसर उड़ीसा को गिरफ्तार किया गया है। उसकी निशानदेही पर कमरे से एक अदद लैपटाप एचपी कम्पनी का, एक अदद कलर प्रिंटर, एक अदद कीबोर्ड, एक अदद माउस, दो अदद कटर ब्लेड, एक कैंची, दो स्केल (पटरी), एक अदद इस्तेमाली हरा चमकीला सैलोटेप व तैयार 100-100 रुपए के कुल 1300 नकली नोट जिस पर संख्या 979331 अंकित है तथा कुल 234 पेज पर प्रिन्टेड नकली नोट जिस पर भी संख्या 979331 अंकित है, तीन बन्डल खुला हुआ पेपर जिस पर नकली नोट की छपाई की जा रही थी,बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि अब्दुल जाहिर नकली नोट बनाने वाले गैंग का सरगना है। जो मोहम्मद अफजल के साथ मिलकर मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम अतरसुइया में नकली नोट की छपाई करते हैं। अभियुक्तों ने बताया कि 3 नकली नोट को अपने लोगों के माध्यम से मार्केट में चलाने पर 1 असली नोट जाहिर खान व अफजल को प्राप्त होती है। जाहिर खान व अफजल मिलकर आधार कार्ड छापने वाले स्केनर प्रिंटर से नकली नोट की छपाई करते हैं। मोहम्मद तफसीरूल आरीफीन पुत्र स्व. आशिकुल रहमान प्रयागराज मदरसे के कार्यवाहक प्रिन्सिपल (मौलवी) हैं। जाहिर खान को एक कमरा उक्त कार्य हेतु अलग से दिया गया है। इस दौरान 100 रुपए के कुल 1300 नोट नकली, .234 पेज छपा हुआ (बिना कटा) नोट, एक लैपटॉप, माउस, कीबोर्ड व लैपटॉप चार्जर, एक प्रिंटर कलर, नोट काटने के लिए कटर ब्लेड दो अदद, एक कैंची, एक इस्तेमाली हरा चमकीला सैलोटेप (नोट पर चिपकाने के लिए), दो स्केल (पटरी) नोट को सीधा काटने के लिए बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर स्थानीय थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया।

ऑपरेशन भेड़िया पर सीएम की नजर, बहराइच पहुंच पीड़ितों से मिले वन मंत्री

बहराइच (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहराइच में ऑपरेशन भेड़िया पर नजर बनाए हुए हैं। उनके निर्देश पर वन व पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना बुधवार को बहराइच पहुंचे। वन मंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों संग बैठक भी की। उन्होंने यहां के कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आमजन की सुरक्षा व भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम मुस्तैदी से जुटी है। वन विभाग सुरक्षा के लिए ड्रोन मैपिंग कर रहा है। साथ ही थर्मल ड्रोन से भी भेड़ियों को पकड़ने के लिए निगरानी जारी है। वहीं बीते दिनों चार मृतकों के आश्रितों को जिला प्रशासन की तरफ से पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि पहले ही दी जा चुकी है। शेष के परिजनों को जल्द ही राशि जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बहराइच पहुंचे वन मंत्री उन गांवों में भी पहुंचे, जहां भेड़ियों ने आमजन पर हमला किया है। वन मंत्री ने पीड़ित परिवारों संग

ग्रामीणों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान को लेकर विभाग सजग है। तीन बचे भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम हरसंभव कोशिश कर रही है। वन मंत्री ने आमजन से अपील की कि किसी भी हाल में रात में बाहर न सोएं। बच्चों को साथ रखें। दरवाजे खुला न छोड़िए। लॉक करके रखें, जब तक भेड़िया न पकड़ा जाए, लाठी आदि लेकर झुंड में निकलें। वन मंत्री के साथ प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) संजय श्रीवास्तव आदि भी मौके पर मौजूद रहे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव संजय श्रीवास्तव ने बताया कि भेड़ियों को पकड़ने के लिए 16 टीमें तैनात की गई हैं। यहां जिला स्तर के 12 अधिकारी भी कैंप कर रहे हैं। भेड़िया पकड़े जाने तक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक रेनू सिंह यहां कैंप करती रहेंगी। डीएफओ बाराबंकी आकाश बधावन व डीएफओ नवीन प्रकाश भी *ऑपरेशन भेड़िया* को सकुशल पूरा करने में जुटे हैं। भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन विभाग सजग है। ड्रोन व थर्मल ड्रोन से मैप किया जा रहा है। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डेन से भेड़ियों को ट्रेंकुलाइज करने की अनुमति मिल गई है। इसके लिए दो डॉक्टर भी बहराइच में टीम के साथ जुटे हैं। बैठक में जिलाधिकारी की ओर से बताया गया कि जिन घरों में दरवाजे नहीं हैं, वहां विभिन्न फंड के जरिए दरवाजे लगवाए जा रहे हैं। इसके लिए सीएसआर समेत अन्य फंड से पैसा दिया जा रहा है। गांवों में रात्रि गश्त किया जा रहा है। वहीं आमजन व महिलाओं को जागरूक करने के लिए आशा वर्कर्स की भी ड्यूटी लगाई गई है। भेड़ियों के हमले में जान गंवाने वाले चार मृतकों के परिजनों को सीएम योगी के निर्देश पर पांच-पांच लाख का चेक दिया जा चुका है, जबकि शेष पीड़ित परिवारों को जल्द ही अनुग्रह राशि दी जाएगी। अब तक जिला प्रशासन की तरफ से अख्तर रजा, प्रतिभा, किशन, संध्या के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए का चेक प्रदान किया जा चुका है। शेष मामलों पर कार्रवाई की जा रही है।

पटना के पुनपुन में दीवार गिरने से 25 लोग दबे, कई की हालत गंभीर

पटना (हिंस)। राजधानी पटना के पुनपुन के श्रीपालपुर में बुधवार दोपहर पूजा-पाठ के दौरान दीवार ढहने से 25 लोग मलबे में दब गए। घायलों में अधिकांश महिलाएं है। इनको गंभीर रूप में चोटे आई हैं। कई की हालत गंभीर है, जिन्हें पीएमसीएच रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि प्रत्येक बुधवार और रविवार को श्रीपालपुर गांव में पूजा-पाठ और प्रवचन का आयोजन किया जाता है। आज श्रीपालपुर गांव के रामदयाल प्रसाद के मकान में प्रवचन चल रहा था। इसी दौरान एक पुरानी और जर्जर दीवार गिर गई, जिसमें 25 लोग दब गए। घटना की सूचना नजदीकी थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर

पहुंची पुलिस टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें पीएमसीएच भेजा जा रहा है। पुनपुन की प्रशिक्षु डीएसपी पल्लवी कुमारी ने बताया कि पुनपुन के श्रीपालपुर में पूजा-पाठ के दौरान दीवार गिर जाने से कई लोग जख्मी हुए है। कितने लोग जख्मी हुए हैं काउंट करना मुश्किल है। अभी फिलहाल सभी लोगों का इलाज किया जा रहा है।

जन–धन योजना ने गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में शामिल किया :सीतारमण

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है। सीतारमण ने कहा कि ये योजना गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सीतारमण ने देश में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन–प्रधानमंत्री जन–धन योजना के सफलतापूर्वक एक दशक (दस वर्ष) पूरा होने के अवसर पर जारी एक बयान में ये बात कही। उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई की शुरुआत के बाद से अबतक 53.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधा मिली है।

वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमजेडीवाई लाभार्थियों के खातों में कुल जमा राशि 2,31,236 करोड़ रुपये है। पीएमजेडीवाई खाते मार्च, 2015 में 15.67 करोड़ से 3.6 गुना बढ़कर 14 अगस्त, 2024 तक 53.14 करोड़ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 55.6 फीसदी जन–धन खाताधारक महिलाएं हैं, जबकि करीब 66.6 फीसदी जन–धन खाते ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में हैं। वहीं, पीएमजेडीवाई खाताधारकों को 36.14 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस योजना से जन–धन, मोबाइल एवं आधार को लिंक करते हुए सहमति आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन परिवेश का एक सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है जिसने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को पात्र लाभार्थियों के खाते में त्वरित, निर्बाध एवं पारदर्शी तरीके से हस्तांतरित करने में सक्षम बनाया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इस योजना के दस वर्ष पूरा होने की पूर्व संध्या पर कहा था कि सरकार की योजना चालू वित्त वर्ष में 3 करोड़ और अकाउंट खोलने की है।

पीएमजेडीवाई के दस वर्ष पूरा होने पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि ये योजना न केवल मिशन मोड में शासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि अगर सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो तो वह क्या नहीं हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री जन–धन योजना के तहत किए गए प्रयासों ने प्रभावी तौर पर परिवर्तनकारी एवं दिशात्मक बदलाव किए हैं। इससे बैंक एवं वित्तीय संस्थान समाज के अंतिम व्यक्ति यानी सबसे गरीब व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में समर्थ हुए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में उत्पादन बढ़ा रही एप्पल कंपनी, छह लाख लोगों को देगी नौकरियां

नई दिल्ली। एप्पल के भारत में ऑपरेशन से इस वित्तीय वर्ष के आखिर तक छह लाख नौकरियां मिलने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकादी दी गई है। कंपनी भारत में अपना उत्पादन बढ़ा रही है ताकि चीन पर कम निर्भर हो सके। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च तक भारत में एप्पल की दो लाख सीधी भर्तियां होंगी, जिनमें से 70 फीसदी महिलाओं के लिए होंगी। ये आंकड़े कंपनी और उसके सप्लायर्स ने केंद्र सरकार को दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल के तीन कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स–फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन (जो अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स है) और पेगाट्रॉन ने भारत में पहले ही 80,872 नौकरियां दी हैं। इसके अलावा, टाटा ग्रुप, सैलकॉम्प, मदरसन, फॉक्सलिंक (तमिलनाडु), सनवोडा (यूपी), एटीएल (हरियाणा) और जेबिल (महाराष्ट्र) जैसे सप्लायर्स ने मिलकर करीब 84 हजार लोगों को नौकरियां दी हैं। रिपोर्ट में बताया है कि कुछ सालों में एप्पल भारत में ब्लू–कॉलर नौकरियों का सबसे बड़ा क्रियेटर बन गया है। कंपनी के वर्कफोर्स में मुख्य रूप से महिलाओं के साथ–साथ इंडस्ट्री में पहली बार काम करने वाले लोग हैं। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है 2020 में स्मार्टफोन पीएलआई शुरू होने के बाद से एप्पल के वेंडर्स और सप्लायर्स ने करीब 1,65,000 लोगों को सीधी नौकरियां दी हैं। तमिलनाडु के होसुर में टाटा ग्रुप की दोहरी फैसिलिटी में करीब 50 हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस फैसिलिटी के पास स्थित आईफोन प्रोडक्शन यूनिट में इस अक्टूबर से आईफोन का कमर्शियल उत्पादन शुरू करने की योजना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में हर डायरेक्ट नौकरी के लिए तीन अतिरिक्त अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होती हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी रही। सोने के वायदा भाव में कमजोर आई। इन दोनो के ही वायदा भाव गिरे हैं। सुबह सोने के वायदा भाव 72,000 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 85,350 रुपये के पास बने हुए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गयी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 142 रुपये नीचे आकर 71,980 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 72 रुपये नीचे आकर 72,050 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 72,075 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,980 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी नकारात्मक रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 285 रुपये नीचे आकर 85,373 रुपये पर खुला। एक समय ये अनुबंध 297 रुपये की गिरावट के साथ ही 85,361 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

दुनिया के बाजार में अकेला पड़ा चीन, अब कनाडा भी दिखा रहा आंखें

टोरंटो। अमेरिका और यूरोप के बाद अब कनाडा ने भी चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इंपोर्ट पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, साथ ही चीन से इपोर्ट किए जाने वाले स्टील और एल्यूमीनियम पर भी 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान करेगा। कनाडा के पीएम ट्रूडो ने एक कार्यक्रम में कहा, चीन ने वैश्विक बाजार में खुद को गलत तरीके से फायदा देने का विकल्प चुना है। कनाडा, चीन की इस स्टेट डायरेक्टिव पॉलिसी का सामना करने के लिए काम कर रहा था। हालांकि, ट्रूडो ने यह साफ नहीं किया कि टेस्ला के व्हीलक्स पर टैरिफ नरम किया जाएगा या वही रहेगा। ट्रूडो ने मीडिया से कहा, मुझे लगता है कि हम सभी जानते हैं कि चीन समान नियमों का पालन नहीं कर रहा है, इसलिए बढ़ाने का फैसला किया गया है और यह 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगा। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा की सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका और अन्य सहयोगियों के साथ काम करना जारी रखेगी ताकि दुनिया भर के ग्राहकों को चीन जैसे देशों की गैरजरूरी मार्केट प्रैक्टिस से ग्राहकों को नुकसान नहीं हो। इस पूरे मामले पर चीन की ओर से कोई रिएक्शन नहीं आया।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को एक बार फिर मजबूती का रिकॉर्ड बना। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। इसी तरह सेंसेक्स भी ऑल टाइम हाई के रिकॉर्ड के काफी करीब पहुंचा लेकिन बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ऊपरी स्तर से गिरावट आ गई। इसके बावजूद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल और टेलीकॉम सेक्टर की कंपनियों में खरीदारी होती रही। बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

ब्रॉडर मार्केट में बने दबाव की वजह से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 25 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 462.89 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.14 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 25 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,056 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,831 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,133 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 92 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 944 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,398 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 68.08 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,779.84 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक 133.44 अंक की कमजोरी के साथ 81,578.32 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 460 अंक से अधिक की रिकवरी करके 327.50 अंक की मजबूती के साथ 82,039.26 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, कारोबार के आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल कर 73.80 अंक की तेजी के साथ 81,785.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 13.05 अंक की बढ़त के साथ 25,030.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक 53.10 की कमजोरी के साथ 24,964.65 अंक तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने पर इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 111.85 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,129.60 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी घंटे में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक भी ऊपर स्तर से लुढ़क कर 34.60 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,052.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एलटी माइंडट्री 6.54 प्रतिशत, विप्रो 3.37 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 2.61 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 2.35 प्रतिशत और भारती एयरटेल 2.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। एशियन पेंट्स 1.29 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइज 1.27 प्रतिशत, नेस्ले 1.15 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.12 प्रतिशत और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पीएमजेडीवाई के तहत अब तक जारी किए गए 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) के दस साल पूरा हो गए हैं। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है। पीएमजेडीवाई के तहत 14 अगस्त, 2024 तक 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी। वित्तीय समावेशन के तहत रुपे डेबिड कार्ड धारक को 2 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया जाता है।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को देश में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) के सफलतापूर्वक एक दशक पूरा होने पर रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड की विशेषताओं के बारे में विस्तारपूवर्क जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड धारक को प्रति संपर्क रहित लेन–देन के लिए 5,000 रुपये तक की निकासी पर किसी पिन की जरूरत नहीं है। ये कार्ड उपयोगकर्ता को सभी एटीएम, पीओएस टर्मिनल और ई–कॉमर्स वेबसाइटों पर लेन–देन करने की अनुमति देता है।

मंत्रालय के मुताबिक रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड धारक को प्रतिदिन संपर्क रहित तीन लेन–देन करने की अनुमति दी गई है। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) 2 लाख रुपये के कवरेज के साथ आकस्मिक मृत्यु और स्थायी कुल विकलांगता बीमा भी प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय समावेशन पीएमजेडीवाई के तहत सरकार ने 14 अगस्त 2024 तक 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी किए हैं, जबकि 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी। रुपे प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) कार्ड उन लोगों को जारी किया जाता है, जिन्होंने पीएमडीजेवाई के तहत खाते खोले हैं।

हिंडनबर्ग ने अब सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक को लेकर किया खुलासा

नई दिल्ली।
हिंडनबर्ग रिसर्च की एक और नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में एक आईटी फर्म पर निशाना साधा गया है। यह कंपनी सिलिकॉन वैली स्थित सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक है। हिंडनबर्ग ने इस कंपनी पर अकाउंट में हेराफेरी का आरोप लगाया है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध इस कंपनी के शेयरों में 27 अगस्त को प्री–मार्केट ट्रेड में करीब आठ फीसदी की गिरावट आई। हिंडनबर्ग का दावा है कि उनकी रिपोर्ट तीन महीने की जांच पर आधारित है। रिपोर्ट में अकाउंट में हेरफेर, अन–डिजक्लोज्ड लेनदेन के सबूत, प्रतिबंध और एक्सपोर्ट कंट्रोल में विफलता और ग्राहकों की समस्याओं की बात कही गई है। हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में कहा कि सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक को 2018 में वित्तीय विवरण दाखिल करने में विफल रहने के चलते नैस्डैक से अस्थायी रूप से हटा दिया गया था। बाद में एसईसी ने बड़े स्तर पर अकाउंटिंग में गड़बड़ी का आरोप कंपनी पर लगाया था। इस गड़बड़ी का संबंध 20 करोड़ डॉलर से ज्यादा का अनुचित रूप से मान्यता प्राप्त

रेवेन्यू और कम करके बताए गए खर्चों से था। इसकी वजह से कंपनी की बिक्री, आय और मुनाफे में बढ़ोरती हुई थी। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में मुकदमेबाजी के रिकॉर्ड और पूर्व कर्मचारियों के साथ साक्षात्कार का हवाला देते हुए सुझाव दिया गया है कि कंपनी ने 17.5 मिलियन के एसईसी समझौते के तीन महीने बाद ही अकाउंटिंग घोटाले में सीधे तौर पर शामिल अधिकारियों को फिर से काम पर रखा है। हिंडनबर्ग ने सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक के पूर्व सीएफओ हावर्ड हिदेशिमा को इस घपलेबाजी में शामिल बताया है और कहा है कि इन्हें सुपर माइक्रो से संबंधित एक कंपनी में फिर से काम पर रख लिया गया था।

ग्लोबल मार्केट से मिले–जुले संकेत एशिया में भी मिला–जुला कारोबार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (हि.स.)। ग्लोबल मार्केट से आज मिले–जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ था, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज दबाव में कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला–जुला कारोबार होता रहा। एशियाई बाजारों में भी आज मिला–जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही, जिसकी वजह से खरीदार रुक–रुक कर लिवाली करते रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,625.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने भी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,754.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 41,247.57 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला–जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,345.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत उछल कर 18,681.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,565.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज मिला–जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,027.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 111.58 अंक यानी 0.50 प्रतिशत उछल कर 22,296.58 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,620.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

शेयर बाजार में 3 नई कंपनियों की एंट्री, प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए तीनों शेयर

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को 3 नए शेयरों की एंट्री हुई है। ये तीनों शेयर प्रीमियम पर लिस्ट हुए, जिसकी वजह से इनके निवेशक पहले दिन ही मुनाफा कमाने में सफल रहे। इन तीनों में से एक बिकवाली का शिकार होकर लोअर सर्किट तक पहुंच गया लेकिन दो अन्य शेयर लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से अपर सर्किट पर पहुंच गए।

लिस्टिंग के बाद 2 शेयरों पर लगा अपर सर्किट, एक शेयर लोअर सर्किट का हुआ शिकार

आईटी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी ओरिएंट टेक्नोलॉजी के शेयर 40 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू शेयर बाजार में लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 206 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग 290 रुपये के भाव पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 288 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद बाजार में खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण बीएसई पर ये शेयर उछल कर 304.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह इस कंपनी के आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक 47.79 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। कंपनी का आईपीओ 21 से 23 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इसे ओवरऑल 154.84 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 120 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके साथ ही 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 46 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं।

इसी तरह आइडियल टेक्नोप्लास्ट इंडस्ट्रीज के शेयर की करीब 10 प्रतिशत के प्रीमियर के साथ घरेलू शेयर बाजार में एंट्री हुई। आईपीओ के जरिए आइडियल टेक्नोप्लास्ट का शेयर 121 रुपये के भाव पर जारी हुआ था। कंपनी के शेयर 132 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर का भाव 138.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। आइडियल टेक्नोप्लास्ट इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के जरिए 16 करोड़ रुपये के शेयरों को बिक्री के लिए मार्केट में पेश किया था। इस आईपीओ को 117 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। लिस्टिंग के पहले ग्रे मार्केट में भी कंपनी के शेयर 16 प्रतिशत के प्रीमियर पर कारोबार कर रहे थे।

इन दोनों कंपनियों के अलावा क्यूवीसी एक्सपोर्ट्स के शेयरों की भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग हुई। लिस्ट होने वाले तीनों शेयरों में सबसे अधिक 87.21 प्रतिशत प्रीमियम इसी शेयर को मिला। आईपीओ के तहत कंपनी ने 86 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इन शेयरों की 161 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। हालांकि, लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर गिर कर 152.95 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया, जिसकी वजह से निवेशकों का मुनाफा 87.21 प्रतिशत से घट कर 77.85 प्रतिशत ही रह गया। कंपनी ने 24.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए पेश किया था। ये आईपीओ ओवरऑल 535 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.73 पर खुला। 83.91 पर बंद हुआ है। वहीं गत दिवस कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख की वजह से शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे गिरकर 83.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.91 पर खुला और फिर गिरकर 83.95 पर आ गया, ये पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 83.87 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 100.89 अंक पर पहुंच गया।

सिंकफील्ड कप : आठवें राउंड में गुकेश ने गिरी से ड्रा खेला ; प्रज्ञानानंद ने कारुआना को बराबरी पर रोका

सेंट लुईस।
भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश और आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर के तहत सिंकफील्ड कप में आठवीं बार ड्रा खेला। विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर गुकेश ने हॉलैंड के अनीश गिरी के साथ मात्र 23 चालों में मैच ड्रा किया, जबकि प्रज्ञानानंद ने भी यही किया और स्थानीय पसंदीदा फैबियानो कारूआना के साथ 28 चालों में मैच ड्रा किया।

आठवें राउंड में सभी गेम ड्रॉ पर समाप्त होने के साथ, फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने एक राउंड शेष रहते हुए ग्रैंड शतरंज टूर जीत लिया और अपने सफल प्रदर्शन के बाद 100,000 अमेरिकी डॉलर के हकदार बन गए। आठवें राउंड में, फिरोजा ने सबसे लंबा गेम खेला जो रूसी इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ 80 चालों के बाद शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हुआ। दस खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में दिन के दो अन्य खेलों में, उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चीन के डिंग लिरेन के साथ अंक बांटे और फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्ले सो के साथ ड्रॉ खेला। अलीरेजा ने आठ बाजियों में अपने अजेय अंक 5.5 तक पहुंचा दिए हैं और कारुआना ही एकमात्र खिलाड़ी है जो अंक तालिका में उनसे आगे निकल सकते है, बशर्ते अलीरेजा प्रज्ञानानंद के खिलाफ अपना अंतिम मुकाबला हार जाए और अमेरिकी खिलाड़ी गिरी को हरा दें। तीसरे स्थान पर अभी भी पांच खिलाड़ी चार-चार अंक लेकर हैं। वे खिलाड़ी गुकेश, प्रज्ञानानंद, वचियर-लाग्रेव सो और अब्दुसत्तोरोव हैं।

यूपी टी-20 लीग : रिंकू ने आक्रामक पारी खेलकर मेरठ मेवरिक्स को जीत दिलायी

लखनऊ । रिंकू सिंह की आक्रामक पारी से मेरठ मेवरिक्स टीम ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स को हरा दिया। इस मैच में 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए एक समय मेरठ ने 54 रन पर पर ही अपने शीर्ष बल्लेबाज खो दिये थे। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे रिंकू ने चौके , छक्के लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। रिंकू ने लगातार दूसरे मैच में नाबाद पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। इस बल्लेबाज ने 35 गेंद खेलकर नाबाद 48 रन बनाए।

न्यूज़ ब्रीफ

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया 3-0 से सीरीज जीती

जोहांसबर्ग । वेस्टइंडीज ने वर्षा बाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम को आठ विकेट से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। तीसरे और अंतिम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवर में 4 विकेट पर 118 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले संशोधित लक्ष्य 116 रन को वेस्टइंडीज ने 9.2 ओवर में ही दो विकेट पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई। बारिश की वजह से तीसरे टी20 मुकाबले में 13-13 ओवर ही खेले गये। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ट्रिस्टन स्टब्स के 40 रनों की सहायता से 4 विकेट पर 118 रन बनाए। डकवर्थ लुईस नियम के मुताबिक वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 116 रन का संशोधित रखा गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए शाई होप ने 24 गेंद पर 42 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं निकोलस पूरन ने 13 गेंद पर 35 रन बनाकर मैच पर कब्जा जमा लिया। अंत में शिमरोन हेटमायर ने तेजी से 31 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

हीथर नाइट की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी इंग्लैंड, ईसीबी ने घोषित की 15 सदस्यीय टीम

लंदन । हीथर नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले टी20 विश्वकप में उतरेगी। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में द हंड्रेड प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है। टीम में शामिल स्पिनर लिंसे स्मिथ, तेज गेंदबाज लॉरेन बेल, ऑलराउंडर डेनी गिब्सन और कीपर-बल्लेबाज बेस हीथ ने द हंड्रेड में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जगह बनायी है। हैरानी की बात है कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट को 164 रन बनाने के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा तेज गेंदबाज केट क्रॉस और युवा तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर को भी टीम में अवसर नहीं मिला है। इंग्लैंड टीम को विश्वकप में बांग्लादेश, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। कप्तान हीथर नाइट इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, विश्व कप हमेशा एक खिलाड़ी के लिए विशेष आयोजन होते हैं और मैं यूएई में जाने के लिए चुनी गई टीम से बहुत उत्साहित हूं। वहीं मुख्य कोच जॉन लुईस ने कहा, मुझे लगता है कि चुने गए 15 खिलाड़ी सभी मामलों में बेहतर हैं और हमें एक अच्छी टीम मिली है।

हरमनप्रीत को टी20 विश्वकप जीतने का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा।

हरमनप्रीत का मानना है कि यूएई के हालात उनकी टीम के लिए लाभप्रद रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब भी हम विश्व कप जैसे किसी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो हमारा लक्ष्य बेहमतर प्रदर्शन करना रहता है। साथ ही कहा कि हमने पूर्व में भी हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद करते हैं कि इस बार भी हम अंतिम बाधा को पार करने में सफल रहेंगे और खिताबी जीत हासिल करेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल में बदलाव से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यूएई के मैदान भारत के जैसे ही हैं। उन्होंने कहा, 'हमने यूएई में काफी क्रिकेट नहीं खेला है पर यूएई की परिस्थितियों हमारे यहां के समान ही नजर आती हैं। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 2020 टी20 विश्व कप के फाइनल में हार गयी थी पर इस बार वह कोई गलती नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि वहां के हालात कैसे होते हैं, हम जितनी जल्द हो हालात से तालमेल बैठाने के पूरे प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, 'एक टीम के रूप में, हम अपनी असफलताओं से ही सीखते हैं ।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

हॉकी इंडिया ने किया 18 सदस्यीय पुरुष टीम का एलान, इन्हें मिला गोलकीपिंग का जिम्मा

नई दिल्ली ।

आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना प्रभाव छोड़ने के लिए तैयार है। आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

कृष्ण बहादुर पाठक बने मुख्य गोलकीपर

भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण बहादुर पाठक को भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे, जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे।

अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है। भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा। वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं। अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे।

डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा। वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांत शर्मा, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे।

चीन के खिलाफ मैच से अभियान की शुरुआत करेगा भारत

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के 10 सदस्य इस टीम में हैं। भारतीय टीम आठ सितंबर को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद जापान (नौ सितंबर), मलेशिया (11 सितंबर), कोरिया (12 सितंबर) और पाकिस्तान (14 सितंबर) से खेलना है। सेमीफाइनल 16 सितंबर को और फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम इस प्रकार है...

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित

मिडफील्डर: राजकुमार पाल, नीलाकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील

फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह।

आईसीसी के नये चेयरमैन बने जय शाह

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर पीसीबी की मांग से निपटना होगा

मुम्बई ।
जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए चेयरमैन बन गये हैं पर उनके लिए राह आसान नहीं रहेगी। जय शाह को एक दिसंबर से आईसीसी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालनी होगी।

इसके बाद उनके सामने सबसे कठिन चुनौती अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन रहेगी। उनके आईसीसी प्रमुख रहते हुए पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने की मांग करेगी। वहीं पाक के राजनीतिक हालातों को देखते हुए भारतीय टीम के पाक जाने की कोई संभावना नहीं है।

अगर भारत सुरक्षा कारणों से अपनी टीम पाक भेजने से इंकार करता है और बाकी टीमें वहां आने को तैयार हैं, तो फिर यह मामला आईसीसी के पास जाएगा। ऐसे में पीसीबी आईसीसी से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत करेगा। तब शाह को तटस्थ रहते हुए इस पर अपना फैसला देना होगा जो आसान नहीं रहेगा।

जय शाह बीसीसीआई सचिव के साथ-साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन भी रहे हैं। एसीसी चेयरमैन रहते हुए उन्होंने एशिया कप 2023 की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल का समर्थन किया था।

इसके चलते पाक को अपनी मेजबानी के कुछ मैच श्रीलंका की सह मेजबानी में कराने पड़े थे। अब यह देखना होगा कि जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर इस बार हालातों का किस प्रकार सामना करते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल में ही होने की संभावना है। इस मॉडल के तहत टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान ही रहेगा पर भारतीय टीम के मैच किसी अन्य स्थल पर होंगे।

उरुग्वे के डिफेंडर जुआन इजक्विएर्डो की मैच के दौरान गिरने से मौत

नई दिल्ली।
उरुग्वे फुटबॉल क्लब नैशनल के डिफेंडर जुआन इजक्विएर्डो, जो पिछले सप्ताह अनियमित हृदयगति के कारण मैदान पर गिर पड़े थे, की मृत्यु हो गई है। वह 27 वर्ष के थे। उरुग्वे क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

22 अगस्त को साओ पाउलो के खिलाफ नैशनल के मैच के दौरान अनियमित दिल की धड़कन के बाद इजक्विएर्डो अस्पताल में अपनी ज़िंदगी के लिए संघर्ष कर रहे थे। यह घटना खेल के 84वें मिनट में हुई, जब इजक्विएर्डो अन्य खिलाड़ियों से संपर्क किए बिना ही बेहोश हो गए। चिकित्सा कर्मी उनकी सहायता के लिए दौड़े, उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में ले जाने से पहले मैदान पर ही तत्काल उपचार दिया गया।

डॉक्टरों के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, इजक्विएर्डो की हालत अगले कुछ दिनों में बिगड़ती चली गई, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में नैशनल ने इस खबर की पुष्टि की। क्लब ने पोस्ट किया, क्लब नैशनल अपने प्रिय खिलाड़ी जुआन इजक्विएर्डो के मृत्यु की घोषणा करते हुए बहुत दुख और सदमे में है। हम उनके परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नैशनल के सभी लोग उनके अपूर्णीय नुकसान के लिए शोक में हैं। इस घटना के बाद उरुग्वे के फुटबॉल अधिकारियों ने सप्ताहांत में सभी प्रथम और द्वितीय श्रेणी के मैच स्थगित कर दिए।

इंटर मियामी के स्ट्राइकर और उरुग्वे के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ ने इस खबर पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, दर्द, दुख, इसे बयां करना मुश्किल है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं उनके परिवार और दोस्तों के लिए ढेर सारी शक्ति की कामना करता हूँ।

नैशनल के प्रतिद्वंद्वी साओ पाउलो ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ब्राज़ीलियाई क्लब के प्रवक्ता ने इसे फुटबॉल के लिए दुखद दिन बताया।

अमेरिकी ओपन : जोकोविच ने 89वीं जीत के साथ ही फेडरर की बराबरी , गॉफ भी अगले दौर में पहुंची

न्यूयॉर्क ।
सर्बियाई टेनिस स्टार और ओलंपिक स्वर्ण विजेता नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन टेनिस में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल के पहले दौर के मैच में मोल्दोवा के क्वालीफायर राडू अल्बोट को 6-2, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाने के साथ ही अपना 89वां मैच जीत कर स्विटजरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। वहीं महिला एकल में जीत के साथ ही अमेरिका की कोको गॉफ दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। कोको ने पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को असानी से 6-2, 6-0 से हराया। गॉफ पिछले कुछ समय से जीत के लिए संघर्ष कर रही थी पर यहां उन्होंने शुरू से लेकर अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी।

जोकोविच का अगला मुकाबला सर्बिया के उनके हमवतन लास्लो जेरे से होगा जिन्होंने एक अन्य मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (7), 6-1, 6-7 (7), 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका के ही बेन शेल्टन ने पुरुष एकल में अपने से अधिक वरीयता वाले डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। थिएम ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे। पुरुष वर्ग में जिस

वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेक्जेंडर ज्वेरेव, एंड्री रुबलेव, कैस्पर रूड, वह ग्रिगोर दिमित्रोव भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं।

वहीं महिला एकल में स्लोएन स्टीफंस को क्लारा ब्यूरेल से 0-6, 7-5, 7-5 से हार झेलनी पड़ी।

इसके अलावा झेंग क्विनवेन, डोना वेकिच, डारिया कसाटकिना और मैडिसन कीज़ भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयीं।

टी20 महिला विश्व कप

भारत का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज से, अभ्यास मैच 28 सितंबर से शुरु होंगे

दुबई ।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 महिला विश्व के लिए अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें भारतीय टीम वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से दुबई में दो अभ्यास मैच खेलेगी।

भारतीय टीम का पहला अभ्यास मैच 29 सितंबर को वेस्टइंडीज जबकि एक अक्टूबर को वह दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमों को दो-दो अभ्यास मैच खेलने को मिलेंगे।

पहला अभ्यास मुकाबला 28 सितंबर को पाकिस्तान और स्कॉटलैंड और श्रीलंका व बांग्लादेश के बीच होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 29 सितंबर को इंग्लैंड से खेलेगी। इसके बाद उसका सामना एक अक्टूबर को दुबई में वेस्टइंडीज से होगा। अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इसमें प्रत्येक टीम अपने सभी 15 खिलाड़ियों को मुकाबले में उतार सकेगी। ।

किसी भी ग्रुप की दो टीम अभ्यास मैच के दौरान एक दूसरे से नहीं खेलेंगी। इसमें भारत को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि।

ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश की टीमें रहेंगी। विश्वकप के मुख्य मुकाबले तीन अक्टूबर से शुरु होंगे।

अभ्यास मुकाबलों का कार्यक्रम इस प्रकार है :

- 28 सितंबर : पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 28 सितंबर : श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (आईसीसीए 1, दुबई)
- 29 सितंबर : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका (सेवेंस, दुबई)
- 29 सितंबर : भारत बनाम वेस्टइंडीज (आईसीसीए 2, दुबई)
- 29 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड (आईसीसीए 1, दुबई)
- 30 सितंबर : श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 30 सितंबर : बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर : वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया (सेवेंस, दुबई)
- एक अक्टूबर: इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर: दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत (आईसीसीए 1, दुबई)।

प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिकता का संगम है चित्रकूट

चित्रकूट, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित एक प्राचीन और पवित्र स्थल है। यह स्थल धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्रकूट का नाम भारतीय धार्मिक ग्रंथों में प्रमुख स्थान पर है और यहां की हरियाली, झरने और धार्मिक स्थल इसे पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। आइए जानते हैं चित्रकूट के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में : **रामघाट :** रामघाट, चित्रकूट का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यह घाट यमुनापार के तट पर स्थित है और यहां पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। इस घाट पर भगवान राम और माता सीता के साथ बिताए गए वर्षों की कथाएं प्रचलित हैं। यहां की धार्मिक माहौल और सुंदरता एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। **कश्मीरी ताल :** कश्मीरी ताल एक प्राकृतिक झील है जो चित्रकूट की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यह ताल पर्यटकों के लिए एक शांत और सौम्य वातावरण प्रदान करती है। यहां पर नाव की सवारी करके आप झील के शांत पानी का आनंद ले सकते हैं और आसपास की हरी-भरी हरियाली का मजा ले सकते हैं। **चित्रकूट के झरने :** चित्रकूट में कई सुंदर झरने हैं जो प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कराते हैं। **रामकुण्ड झरना :** यह झरना भगवान राम के नाम पर रखा गया है और यहां पर जल की धारा एक अद्वितीय दृश्य प्रस्तुत करती है। **जानकी कुंड :** यह झरना भी धार्मिक महत्व रखता है और यहां पर श्रद्धालु जल स्नान करने आते हैं। **सती अंजनी देवी का मंदिर :** सती अंजनी देवी का मंदिर चित्रकूट का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। इसे अंजनी माता का मंदिर भी कहा जाता है। यह मंदिर भगवान हनुमान की माता के प्रति श्रद्धा अर्पित करता है और यहां पर भक्त नियमित रूप से पूजा अर्चना करने आते हैं। मंदिर की स्थापत्य कला और धार्मिक महत्व इसे विशेष बनाते हैं। **भगवान राम के वनवास स्थल :** चित्रकूट, भगवान राम के वनवास के दौरान एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां पर कई स्थान हैं जिनसे जुड़ी हुई कथाएं और धार्मिक महत्व हैं। इन स्थलों की यात्रा करते हुए आप रामायण की कथाओं और भगवान राम के वनवास की घटनाओं को महसूस कर सकते हैं। **भरत मिलाप मंदिर :** भरत मिलाप मंदिर, चित्रकूट का एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान राम और उनके भाई भरत के मिलन की स्मृति में बनाया गया था। मंदिर की वास्तुकला और धार्मिक वातावरण यहां पर आने वाले भक्तों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं।

भारत में दो दिन पहले आ जाएगा जोकर

भारत में जोकर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। पूरी दुनिया से दो दिन पहले जोकर उनसे मिलने पहुंचेगा। फिल्म सीरीज की अगली कड़ी जोकर- फोली अ डू अक्तूबर में रिलीज हो रही है। बुधवार को निर्माताओं ने इंडिया रिलीज डेट की घोषणा दो नए पोस्टरों के साथ की। पोस्टर्स पर जोकर और उसकी गर्लफ्रेंड हार्ले क्विन को दिखाया गया है। जोकर के किरदार में जोकिन फीनिक्स और हार्ले के रोल में लेडी गागा हैं। वारनर ब्रदर्स इंडिया के एक्स हैंडल से शेयर किए गए पोस्टर्स के साथ लिखा गया है- बहुचर्चित सीक्वल उम्मीद से पहले आ रहा है। जोकर- फोली अ डू भारत के सिनेमाघरों में दो दिन पहले बुधवार 2 अक्तूबर को आ रही है। बता दें, अमेरिका में फिल्म 4 अक्तूबर को रिलीज होगी। टॉड फिलिप निर्देशित फिल्म में जोकिन और गागा के साथ ब्रेंडन ग्लीसन, कैथरीन कीनर और जैजी बीट्ज अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। जोकर फोली अ डू की कहानी 2019 में आई जोकर में दिखाई गई घटनाओं के दो साल बाद के कालखंड में दिखाई गई हैं। आर्थर फ्लेक आरकम स्टेट हॉस्पिटल में मरीज के तौर पर भर्ती है। उसे म्यूजिक थेरेपिस्ट ली से प्यार हो जाता है। दोनों सपनों की संगीतमयी दुनिया में डूबे रहते हैं। उधर, आर्थर के फॉलोअर्स उसे छुड़ाने के लिए आंदोलन छेड़ देते हैं। जोकर की कहानी 1981 में दिखाई गई थी। गोथम सिटी में आर्थर फ्लेक एक असफल मसखरा और उभरता हुआ स्टैंड अप कॉमेडियन है। मगर, जैसे-जैसे उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ती जाती है, उसके लिए एक हिंसक आंदोलन शुरू हो जाता है, जो एक नए कल्चर की स्थापना के लिए होता है। फिल्म की स्क्रिप्ट टॉड ने स्कॉट सिल्वर के साथ मिलकर लिखी थी। क्राइम ड्रामा थ्रिलर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा कारोबार दुनियाभर में किया था। जोकर आर रेटिंग वाली ऑल टाइम हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्म है।

सिर्फ आंवला ही नहीं इसके बीज भी हैं गुणों का पिटारा

नई दिल्ली। विटामिन सी से भरपूर आंवला हमारी सेहत के लिए काफी गुणकारी होता है। अपने गुणों की वजह से ही इसका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेद में भी किया जा रहा है। औषधीय गुणों से भरपूर आंवला आपकी इम्युनिटी मजबूत कर कई बीमारियों से बचाव करता है। आमतौर पर लोग इसे चटनी,अचार और मुरब्बे के रूप में अपनी डाइट में शामिल करते हैं और इसके बीज को बेकार समझ कचरे में फेंक देते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, तो आंवले के बीज को कचरा समझ कूड़े में फेंक देते हैं, तो आज इन बीजों के फायदे जानकर आपको अपनी इस गलती का पछतावा होने वाला है। आंवले के यह बीज कई मायनों में फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इनके ऐसे ही कुछ फायदे-

पाचन बेहतर बनाए : फाइबर से भरपूर होने की वजह से आंवले के बीज पाचन में मदद करते हैं और कब्ज जैसी समस्या को रोकने में कारगर साबित होते हैं। साथ ही इन बीजों में हल्के रेचक गुण भी होते हैं, जो नियमित मल त्याग में सहायता करते हैं।

दिल को बनाए हेल्दी : आंवले के बीज आपके दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभकारी होते हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने से हार्ट फंक्शनिंग में सुधार होता है। साथ ही दिल से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के विकसित होने की संभावना भी कम होती है।

इम्युनिटी बेहतर करे : आंवले के बीज विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से संक्रमण से भी बचाव होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद : आंवले के बीज में सेहत के साथ ही आपके त्वचा के लिए भी काफी गुणकारी होते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं, जो त्वचा की उम्र बढ़ने और डैमेज का कारण बनते हैं। साथ ही यह त्वचा की बनावट में सुधार करके और फाइन लाइन्स और झुर्रियों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

बालों के लिए गुणकारी : सेहत और त्वचा के अलावा आंवले के बीज आपके बालों के लिए भी काफी लाभकारी होते हैं। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं और समय से पहले बाल सफेद होने से रोकते हैं। इतना ही नहीं आंवले के बीज का तेल लगाने से बाल घने और हेल्दी बन सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**